• वर्ष-3
• अंक-194
रायपुर, शुक्रवार 22 मार्च 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› रामेश्वरम् करता है हर तरह के...

अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार

विपक्ष का मोदी सरकार पर वार

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दंडात्मक कार्रवाई से कोई संरक्षण देने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरा विपक्ष और इंडिया गठबंधन केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हो गया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने साफ तौर पर कहा है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे, हैं और आगे भी रहेंगे। वहीं राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि इंडिया गठबंधन इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह गिरफ्तारी नई क्रांति को जन्म देगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट किया, रोज़ जीत का झूठा दंभ भरने वाली अहंकारी भाजपा, विपक्ष को हर तरह से चुनाव के पहले ग़ैर क़ानूनी तरीक़े से कमज़ोर करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी पार्टियों के नेताओं को ठीक चुनाव से पहले निशाना नहीं बनाया जाता। सच यह है की भाजपा आने वाले चुनाव परिणाम से पहले ही डर गयी है और बौखलाहट में विपक्ष के लिए हर तरह की मुश्किलें पैदा कर रही है। वक्त है बदलाव का ! अबकी बार ज्सत्ता के बाहर !!

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, जो ख़ुद हैं शिकस्त के ख़ौफ़ में क़ैद 'वो' क्या करेंगे किसी और को क़ैद भाजपा जानती है कि वो फिर दुबारा सत्ता में नहीं आनेवाली, इसी डर से वो चुनाव के समय, विपक्ष के नेताओं को किसी भी तरह से जनता से दूर करना चाहती है, गिरफ़्तारी तो बस बहाना है। ये गिरफ़्तारी एक नयी जन-क्रांति को जन्म देगी।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट किया, डरा हुआ तानाशाह, एक मरा हुआ लोकतंत्र बनाना चाहता है। मीडिया समेत सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा, पार्टियों को तोड़ना, कंपनियों से हफ्ता वसूली, मुख्य विपक्षी दल का अकाउंट फ्रीज़ करना भी 'असुरी शक्ति' के लिए कम था, तो अब चुने हुए मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भी आम बात हो गई है। इंडिया इसका मुंहतोड़ जवाब देगा।

आप नेता आतिशी ने कहा, हमें खबर मिली है कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है... हमने हमेशा कहा है कि अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चलाएंगे। वह दिल्ली के सीएम बने रहेंगे। हमने सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया है। हमारे वकील स्ष्ट पहुंच रहे हैं। हम आज रात सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग करेंगे।

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने संरक्षण के अनुरोध संबंधी आम आदमी पार्टी (आप) नेता केजरीवाल के आवेदन को 22 अप्रैल को आगे के विचार के लिए सूचीबद्ध किया है। समन को चुनौती देने वाली उनकी मुख्य याचिका पर भी उसी दिन (22 अप्रैल) सुनवाई होगी।

जनता को लूटने का पूरा हिसाब देना पड़ेगाः भाजपा

दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा शराब नीति मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी की गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद भाजपा केजरीवाल पर हमलावर हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि अब दिल्ली हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है और कहा है कि वह अरविंद केजरीवाल को कोई राहत नहीं देगा। एक तरह से, आपके सभी पीड़ित कार्ड, सभी बहाने जो आप बना रहे हैं, कि सम्मन अवैध हैं, कि यह पूरा शराब घोटाला मौजूद नहीं है, उन सभी को एक तरफ रख दिया गया है। दरअसल, कोर्ट ने केजरीवाल से यहां तक पूछ लिया कि आप एजेंसियों के सामने पेश क्यों नहीं होते? तुम क्यों भाग रहे हो? भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि इसका मतलब है कि केजरीवाल जी अपने कार्यों से यह साबित कर रहे हैं कि शराब घोटाले में उनके पास छिपाने के लिए कुछ है और वे खुद ही इसके सरगना हैं। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि हम सब मानते हैं कि शराब घोटाला अरविंद केजरीवाल की सहमति से हुआ है, यह जांच का विषय है और उन्हें जांच एजेंसी के सामने पेश होना चाहिए। उन्होंने ककहा कि केजरीवाल ने जिस निर्लज्जता से शराब घोटाला, जल बोर्ड घोटाला किया उसी निर्लज्जता से कानून का उल्लंघन करने की कोशिश की। कानून सबके लिए बराबर है चाहे वो आम व्यक्ति हो या दिल्ली का भ्रष्ट मुख्यमंत्री। कब तक भागोगे केजरीवाल? उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को लूटने का आपको पूरा हिसाब देना पड़ेगा, केजरीवाल। जो भी आपने घोटाले किए हैं आपको उसका जवाब देना होगा।

बीजेपी नेता शाजिया इल्मी ने कहा कि सवाल ये है कि आखिर अरविंद केजरीवाल डरते क्यों हैं? वह यह भी जानते हैं कि इतने बड़े घोटाले में न केवल दिल्ली जल बोर्ड बल्कि जिस कंपनी को उन्होंने टेंडर दिया था, उसमें भी उनकी पूरी संलिप्तता रही है और उनका मजबूत हाथ है।

सुप्रीम कोर्ट ने पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट पर लगाई रोक

इसे अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ बताया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की तथ्य जांच इकाई (एफसीयू) को केंद्र सरकार के व्यवसाय से संबंधित ऑनलाइन सामग्री के लिए आधिकारिक तथ्य-जांच निकाय के रूप में अधिसूचित करने के केंद्र के आदेश पर रोक लगा दी, यह देखते हुए कि इस मुद्दे में गंभीर संवैधानिक मुद्दे शामिल हैं। जो अभी भी बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम, 2023 के नियम 3(1)(बी)(1) के संचालन पर रोक लगाने के लिए प्रथम दृष्टया मामला बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित कार्यवाही है। हम निर्देश देते हैं उच्च न्यायालय द्वारा निपटान लंबित रहने तक, 20 मार्च की अधिसूचना पर रोक रहेगी। पीठ में शामिल न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने कहा कि नियम 3(1)(बी)(1) को चुनौती में गंभीर संवैधानिक प्रश्न शामिल हैं। भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों पर नियम 3(1)(बी)(1) के प्रभाव का उच्च न्यायालय विश्लेषण करेगा। यह आदेश कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) और

एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन्स की याचिका पर आया, जिन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के 11 मार्च के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में अप्रैल 2023 में किए गए संशोधन के तहत केंद्र सरकार को पीआईबी के एफसीयू को तथ्य-जांच निकाय के रूप में अधिसूचित करने से रोकने से इनकार कर दिया गया था।

डबल इंजन की सरकार करेगी तेजी से विकासःमुख्यमंत्री

बस्तर से भाजपा का कमल खिलाकर अबकी बार 400 पार के संकल्प के साथ भाजपा को जिताना है

सुकमा/बस्तर/रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार का शंखनाद करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आदिवासियों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। वोट बैंक के रूप में आदिवासियों के वोट लेते रहे लेकिन आदिवासियों का विकास नहीं हुआ जबकि आजादी के 75 साल में 55-60 साल कांग्रेस की सरकार रही। इसको हम लोगों को समझने की आवश्यकता है। साय गुरुवार को बस्तर संभाग के सुकमा और बस्तर के बड़ेधाराउर में भाजपा की चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर और सरगुजा हमारी सरकार के विशेष फोकस में रहेगा। जहां तक बस्तर क्षेत्र के विकास की बात है, यह भारतीय जनता पार्टी की देन है। हमारे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की देन है। जिला बनने के पहले सुकमा में ग्राम पंचायत, नगर पंचायत भी नहीं थी। लेकिन आज जिला बनने के बाद इस शहर हो गया है। पूरे बस्तर क्षेत्र का और छत्तीसगढ़ का विकास अगर किसी ने किया है तो भाजपा की सरकार ने किया है। साय ने कांग्रेसी कुशासन की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों में क्या हाल हुआ? पूरे बस्तर क्षेत्र ने विकास की गति पकड़ी थी, 15 वर्षों में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में पूरे छत्तीसगढ़ का विकास हो रहा था, उसे रोकने का काम कांग्रेस की भूपेश सरकार ने किया। जो भी केंद्र से गरीबों के लिए योजनाएं थी और सबको बंद करने का काम कांग्रेस की सरकार ने किया। गरीबों का हक छीना। 5 साल में ग्रामीण क्षेत्र में एक भी गरीब का प्रधानमंत्री आवास नहीं बना। हमने विकास की जो शुरुआत की थी, वह भी अधूरी रहीं। गैस का सिलेंडर मिलना बंद हो गया, आयुष्मान भारत कार्ड बंद हो गया। जो हमारा बस्तर संभाग है, सरगुजा संभाग है, हमारे शासनकाल में किसी भी तरह से संसाधन की कमी नहीं हो, इसके लिए अलग से बस्तर विकास प्राधिकरण और सरगुजा विकास प्राधिकरण का गठन किया। भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी जब प्रधानमंत्री बने, उन्होंने पहली बार आदिवासियों के विकास के लिए पहली बार भारत सरकार में आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया। यह काम कांग्रेस क्यों नहीं कर पाई? इसलिए इस बार इस कांग्रेस को उखाड़ फेंकना है।

भाजपा राजनीति नहीं करती, राष्ट्र नीति करती हैः देव

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने बस्तर के विकास को भाजपा सरकार की देन बताते हुए कहा कि 5 साल की कांग्रेस सरकार ने बस्तर के विकास का एक भी काम नहीं किया। बस्तर की किसी प्रकार की सुध कांग्रेस के किसी नेता ने नहीं ली। तो फिर कांग्रेस को वोट क्यों? जो जनता के हित में काम करें जो जनता की चिंता करे, जो जनता के लिए विकास के काम करे, उस भाजपा को वोट देने का निश्चय बस्तर की जनता कर चुकी है। भाजपा जो कहती है, वह करती है। जो वादा भारतीय जनता पार्टी ने आपके समक्ष किया था उसको पूरा किया। यह पहली भाजपा की प्रदेश सरकार है जिसने मोदी जी के गारंटी की योजना पर गारंटी लगाई है और जो चार प्रमुख वादे किए थे वह पूरे कर दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो किसान सम्मान निधि दे ही रहे हैं।

कांग्रेस ने आदिवासी के नाम पर धोखा कियाः चौधरी

प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी के नाम पर तो धोखा किया था भारतीय जनता पार्टी ने एक आदिवासी बेटा को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनाकर के आदिवासी स्वाभिमान को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। कलेक्टर के तौर पर अपने कार्यकाल के दिनों की याद करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि उस समय बहुत कठिन परिस्थिति थी। उन कठिन परिस्थितियों से इस क्षेत्र को निकालने के लिए हम सब लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के शासन में बहुत अच्छे तरीके से काम किया था। सुकमा कोंटा को सड़क की खराब स्थिति से बाहर निकालकर अच्छे तरीके से सड़क बनाने का काम भाजपा की सरकार ने किया। काली मेला पुल के लिए भाजपा की सरकार ने तत्काल स्वीकृति दी और सुकमा क्षेत्र का ओड़िशा से सीधा संपर्क स्थापित हो पाया।

प्रमुख समाचार

अधीर रंजन के गढ़ में युसूफ पठान का आगाज

बरहामपुर। पश्चिम बंगाल के बरहामपुर से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार यूसुफ पठान आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बैठकों में भाग लेने के लिए पहुंचे। उन्होंने आज से बरहामपुर में प्रचार भी शुरू कर दिया है। मुर्शिदाबाद जिले का बरहामपुर कांग्रेस का गढ़ है और इस पर वर्तमान में लोकसभा नेता अधीर रंजन चौधरी का कब्जा है। कांग्रेस ने अभी तक चौधरी को इस सीट से अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। हालांकि, ममता बनर्जी की पार्टी ने बरहामपुर से यूसुफ पठान को मैदान में उतारकर चुनाव को रोमांचक बना दिया है। यूसुफ पठान ने आज कहा कि मुझे आपकी सेवा करने का अवसर देने के लिए मैं ममता दीदी (सीएम ममता बनर्जी) का आभारी हूं। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह से आप लोगों ने मुझे पिछले कई सालों से प्यार दिया है, जब मैं केकेआर के लिए खेला करता था। आज जब मैं यहां आया और आपको देखा, तो आज मैं उस प्यार को बहुत करीब से देख सकता हूं। मैं चाहता हूं कि ये प्यार हमेशा बना रहे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र बहुत अलग है लेकिन लोगों की अपेक्षाएं वही हैं- कि मैं उनके लिए काम करूं, और अपनी टीम (टीएमसी) द्वारा किए गए काम को आगे बढ़ाऊं।

कांग्रेस ने तीसरी सूची की जारी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद तमाम राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। इस बीच, कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के नामों की तीसरी सूची जारी की है, जिसमें 57 नामों को शामिल किया गया है। तीसरी सूची में अरुणाचल प्रदेश से 2, गुजरात से 11, कर्नाटक से 17, महाराष्ट्र से 7, तेलंगाना से 5, पश्चिम बंगाल से 8, पुदुचेरी की एक सीट पर उम्मीदवारों के नामों का एलान किया है। राजस्थान से 5 सीटों पर कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि एक सीट सीपीआई(एम) को दी है। बरहामपुर से अधीर रंजन चौधरी, गुलबर्गा से पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के दामाद राधाकृष्ण, गांधीनगर से सोनल पटेल, दाहोद (एसटी) से प्रभाबेन तावियाद और सूरत से नीलेश कुंबानी, नंदूरबार से गोवाल पडवी, अमरावती से बलवंत वानखेड़े, नांदेड़ से वसंत चव्हाण, पुणे से रविंद्र धंगेकर, लातूर से डॉ. शिवाजी राव कालगे, सोलापुर से प्रणीति शिंदे, कोल्हापुर से शाहू महाराज छत्रपति, धारवाड़ से विनोद आसुती, बंगलुरु उत्तर से एम राजीव गौड़ा, बेंगलुरु दक्षिण से सौम्या रेड्डी और बेंगलुरु सेंट्रल से मंसूर अली खान को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा, कांग्रेस ने मालदा दक्षिण से अबू हासेम खान चौधरी के बेटे ईशा खान चौधरी को मैदान में उतारा है।

भाजपा की तीसरी लिस्ट जारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को तमिलनाडु के लिए नौ लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की। भगवा पार्टी ने अन्नामलाई को कोयंबटूर सीट से मैदान में उतारा है। तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन चेन्नई दक्षिण सीट से चुनाव लड़ेंगी। कन्याकुमारी से पोन राधाकृष्णन और थूथुक्कुडी से नैनार नागेंद्रन से टिकट दिया गया है। राधाकृष्णन मोदी सरकार में पूर्व मंत्री और कन्याकुमारी से पूर्व सांसद भी रह चुके हैं। पार्टी, जो तमिलनाडु की 39 में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, ने दक्षिणी राज्य के लिए नौ उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। भाजपा ने वेल्लोर से पुथिया नीधि काची (पीएनके) प्रमुख एसी शनमुगम और तमिलनाडु के पेरम्बलूर लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद टीआर पारिवेंधर को भी अपने प्रतीक पर टिकट देने का फैसला किया। टीआर पारीवेंधर भारतीय जनानायगा काची (आईजेके) के नेता हैं। पारीवेंधर ने 2019 के लोकसभा चुनाव में डीएमके के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा और निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगुन नीलगिरि सीट से चुनाव लड़ेंगे, वरिष्ठ नेता पोन राधाकृष्णन और डॉ एसी शनमुगम को क्रमशः कन्याकुमारी और वेल्लोर से मैदान में उतारा गया है। सौंदरराजन बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई की मौजूदगी में फिर से पार्टी में शामिल हो गईं। र

भोजशाला परिसर का सर्वेक्षण 22 से

नई दिल्ली। विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) 22 मार्च से धार में भोजशाला परिसर का सर्वेक्षण शुरू करेगा। यह घटनाक्रम इंदौर में उच्च न्यायालय, मध्य प्रदेश के आदेश के बाद आया है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि माननीय उच्च न्यायालय, मध्य प्रदेश इंदौर के रिट याचिका क्रमांक 10497/2022 के आदेश के अनुपालन में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा माननीय न्यायालय के निर्देशानुसार पुरातत्व सर्वेक्षण/वैज्ञानिक जांच/उत्खनन 22.3.2024 को सुबह से किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में मप्र उच्च न्यायालय ने विवादित स्थल के असली चरित्र, प्रकृति और स्वरूप का पता लगाने के लिए भोजशाला मंदिर और कमल मौला मस्जिद के बहु-विषयक वैज्ञानिक सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिससे पहले सांप्रदायिक झड़पें हो चुकी हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, जस्टिस एसए धर्माधिकारी और जस्टिस देवनारायण मिश्रा की खंडपीठ ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस द्वारा दायर याचिका पर कार्रवाई करते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को पांच सदस्यीय पैनल बनाने का निर्देश दिया.

हमारा सामना भारत के दुश्मनों से है, भाजपा पर स्टालिन का तीखा हमला

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इसे भारत और मानव जाति का दुश्मन करार दिया। पार्टी कैडरों को हाल ही में जारी पार्टी घोषणापत्र के बारे में बताते हुए और 21 डीएमके उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगने के लिए लिखे गए पत्र में एमके स्टालिन ने कहा कि आगामी संसदीय चुनावों में हम जिन दुश्मनों का सामना करेंगे, वे न केवल हमारे राजनीतिक दुश्मन हैं, बल्कि वे हैं भारत के दुश्मन। भारतीय संविधान के दुश्मन। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता के दुश्मन। भारत के बहुलवाद और धर्मनिरपेक्षता के दुश्मन। संघवाद के दुश्मन। संक्षेप में मानव जाति के दुश्मन। चूंकि यह स्पष्ट हो गया है कि तमिलनाडु के लोग द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ हैं, इसलिए भाजपा अब तमिल लोगों को आतंकवादियों के रूप में चित्रित कर रही है। प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री और पार्टी नेता तक सभी अपने अभियान के तहत झूठ फैला रहे हैं। वे द्रमुक की आलोचना कर रहे हैं क्योंकि उनके पास पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु के लिए किए गए कार्यों के बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है।

प्रासंगिकता के लिए संघर्ष कर रही नेहरू-गांधी की थकी हुई विरासत

एस. प्रसन्नराजन

परिवार मायने रखता है। एक बुनियादी सामाजिक इकाई के रूप में परिवार राजनीति में विचारधारा को स्थायित्व की भावना देता है, जबकि सिद्धांत केवल निश्चिंतता प्रदान करते हैं। एक ऐसे युग में, जब दृश्य एवं अन्य संवेदी संचार चुनाव अभियान में लोगों की धारणाओं को प्रभावित करते हैं, हर कोई अपनी आदर्श पारिवारिक तस्वीर को भुनाना चाहता है। यह उन समाजों में अधिक होता है, जहां राजनीति में सार्वजनिक एवं निजी, दोनों तत्व घुले-मिले होते हैं। राजनीति में सत्ता विरासत के रूप में परिवार से भी मिलती है। प्रतिभा और लोकप्रियता से ज्यादा रक्त-संबंध मजबूत बन जाता है। यह परिवार ही है, जो मायने रखता है, विचारधारा नहीं। राजनीतिक वंशवाद परिवार को सर्वोच्च एवं उन्नत संस्था के रूप में सम्मान देता है। यह उन परिवारों में होता है, जहां भरोसे का सबसे सच्चा स्वरूप लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रवृत्ति के विरुद्ध विकसित और संरक्षित किया जाता है।

भारतीय राजनीति का परिवार से उतना ही पुराना रिश्ता है, जितना देश की स्वतंत्रता का, और अगर कोई एक संविधानेतर संस्था है, जिसने लोकतंत्र के रूप में राष्ट्र की यात्रा को परिभाषित किया है, तो वह परिवार है। नेहरू-गांधी परिवार भले ही दुनिया के सबसे स्थायी परिवारों के रूप में बचा हो, इसके अंतिम हांफते दिन लगातार भारतीय राजनीति को एक रंगमंच प्रदान करते रहे हैं, जिसमें एक थकी हुई विरासत अपनी प्रासंगिकता के लिए संघर्ष करती है। भारत की राजनीतिक जमीन इतनी उर्वर है कि विभिन्न आकार एवं प्रभाव वाले परिवार अब भी विशेषाधिकार के रूप में सत्ता पर पकड़ बनाए हुए हैं। वंशावली जितनी लंबी होगी, सत्ता का अराष्ट्रीयकरण उतना ही आसान हो जाएगा।

एक प्रांतीय परिवार के बुजुर्ग ने परिवार न होने के लिए प्रधानमंत्री को दोषी ठहराते हुए कहा-अगर नरेंद्र मोदी का अपना परिवार नहीं है, तो हम क्या कर सकते हैं? फिर उन्होंने मोदी के एक सच्चे हिंदू पुत्र होने पर भी सवाल उठाया। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह बयान लालू प्रसाद यादव जैसे व्यक्ति की तरफ से आया है, जो बताता है कि भारतीय राजनीति में पारिवारिक मूल्य कैसे काम करते हैं।

लोहिया विचारधारा के पुराने समाजवादी लालू प्रसाद कांग्रेस विरोध की अपनी मूल प्रवृत्ति से काफी दूर हो गए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने बिहार को बुरे प्रदेश का पर्यायवाची बना दिया और जंगलराज उनके शासन का आदर्श संस्करण था। और अंत में, वह स्वयं समाजवादी हृदयस्थल की त्रासदी का एक गिरा हुआ पात्र बन गए। उन्होंने कई भूमिकाएं निभाईं, अणे मार्ग के सशक्त चरवाहे से लेकर भारतीय राजनीति के पहले विदूषक तक, जो चुटकुले की चुनावी ताकत को समझते थे। भले ही अंततः चुटकुले भी उन्हीं पर बने। उन्होंने भारत की पहली किचेन कैबिनेट के निर्माता की जो भूमिका निभाई, वह पूर्णता लिए थी। जिस चीज ने उनके जीवन को संतुष्ट किया, वह उनके वंश की ताकत थी, जिसकी उन्होंने जेल और अन्य जगहों पर भी अपनी विरासत की तरह देखभाल की। वह पितृपुरुष (लालू) आज स्वयं को पारिवारिक मूल्यों के योग्य उपदेशक के रूप में देखते हैं।

यह बात शुरू से ही गलत है कि मोदी का अपना जैविक परिवार नहीं है। यदि लालू प्रसाद का आशय राजनीति में पारिवारिक व्यक्ति के होने से है, तो शायद मोदी अयोग्य हैं, क्योंकि उनके परिवार का कोई भी सदस्य सत्ता में साझेदार नहीं है।

मोदी ने आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया- मेरा जीवन खुली किताब है। एक सौ चालीस करोड़ भारतीय मेरे परिवार हैं। आज इस देश की करोड़ों माताएं एवं बहनें मोदी का परिवार हैं। इस देश का हर गरीब आदमी मेरा परिवार है। जिसका कोई नहीं है, वह मोदी का है और मोदी उनके हैं।

पारिवारिक मूल्यों को नष्ट करने वाले सिर्फ एक बयान के साथ, जिसे लालू प्रसाद और विपक्ष के उनके ज्यादातर साथी अपने राजनीतिक उद्यम में बढ़ावा देते हैं, मोदी ने परिवार की साख को एक ऐसा अर्थ दिया, जिसे भारत में कोई दूसरा राजनेता दोहराने के योग्य नहीं है। प्रधानमंत्री की पारिवारिक व्यक्ति के रूप में आत्म-छवि हमेशा की तरह उन्हें राजनीति के एक ऐसे दायरे में ले जाती है, जहां परम राष्ट्रवादी के लिए व्यक्तिगत अपेक्षाएं खत्म हो जाती हैं।

यदि राष्ट्र लोगों की सामूहिक कल्पना है, तो केवल भावनाओं की उच्च खुराक ही इसे तत्काल और अंतरंग अनुभव बना सकती है। यह मोदी के लिए सबसे फायदेमंद भी है। सत्ता में भारतीय पारिवारिक व्यक्ति का यह आदर्श संस्करण उन्हें उस राजनीतिक संस्कृति से अलग करता है, जिसने परिवार पहले को संस्थागत बना दिया है। इसका सबसे स्पष्ट प्रतिनिधि एक ऐसी भूमिका निभा रहा है, जिसके बारे में उसके अलावा हर कोई जानता है, वह राजनीति में गलती से आ गया है।

सुकमा जिले में खतरनाक नक्सली सम्मैया सोड़ी ने किया आत्मसमर्पण

■ आठ लाख का इनाम था घोषित

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में आठ लाख रुपये के इनामी नक्सली ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। सुकमा जिले के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सली रोशन उर्फ सम्मैया सोड़ी (30) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, सुकमा जिले के बुर्कालंका में रहने वाले नक्सली ने नक्सलियों की विचारधारा से त्रस्त होकर संगठन को छोड़ते हुए पुलिस के मुख्यधारा में आकर आत्मसमपर्ण कर दिया, समर्पित नक्सली के ऊपर 8 लाख रुपये का इनाम भी घोषित था। वह वर्ष 2008 से 2009 तक ग्राम बुर्कलंका जीआरडी मिलिशिया सदस्य रहा है। इसके अलावा वह वर्ष 2010 जनवरी माह जून तक पालाचलमा एलओएस सदस्य रहा। जिसके बाद वह वर्ष 2010 जूलाई से 2011 तक आंध्रा-ओड़िशा बॉर्डर (एओबी) जुड़ा रहा। वहीं, वर्ष 2012 के माह अगस्त से अब-तक सीआरसी कंपनी नंबर 2 का (पीपीसीएम) का सदस्य रहा।

रोशन वर्ष 2015 में जिला बीजापुर क्षेत्रान्तर्गत थाना भैरमगढ़ के जंगल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में शामिल था। वर्ष 2016 में थाना किस्टाराम क्षेत्रान्तर्गत बोट्टेतोंग के जंगल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में शामिल था। इस मुठभेड़ में नौ नक्सली मारे गये थे। वर्ष 2018 में जिला बीजापुर क्षेत्रान्तर्गत थाना उसूर के ग्राम पुजारीकांकेर पुलिस-नक्सली मुठभेड़ मे शामिल था। इस मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गये थे। वर्ष 2021 में जिला बीजापुर क्षेत्रान्तर्गत सुकमा के सीमावर्ती ग्राम टेकलगुड़ा पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में शामिल था।

नक्सलियों को विस्फोटक सामग्री पहुंचाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। नारायणपुर में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। यहां धौड़ाई थाना क्षेत्र के तारापुर में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो नक्सलियों को विस्फोटक समाग्री भेजते थे। इनमें एक पूरूष और एक महिला है। ये इलाके में घूम रहे थे, जिसके बाद लोगों को शक हुआ तो इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की और तलाशी ली गई। जिसके बाद उनके पास से विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि ग्राम तारापुर के पास रवि मरकाम 45 वर्ष विखण्डनगंज थाना उमरिया व चमेली बाई 35 वर्ष निवासी पन्न छतरपुर मध्यप्रदेश ताबीज, माला के साथ ही रुद्राक्ष आदि को बेच रहे थे, वहां के लोगों को इन दोनों पर शक हुआ। मामले की जानकारी लगने के बाद जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची उनके सामानों की चेकिंग की गई तो उनके पास रखे 6 बोरों में विस्फोटक सामग्री मिली।

थाना प्रभारी जनक साहू ने बताया कि इन महिला व पुरुष ने पूछताछ में बताया कि दोनों ने ताबीज, माला, रुद्राक्ष आदि को बेचने के साथ ही कुछ वर्षों से नक्सली विस्फोटक सामान सप्लाई करने की बात भी स्वीकार की है। आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने लाया गया, जहां से उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

दंतेवाड़ा गमपुर एनकाउंटर पर सवाल, माओवादी नहीं किसान था

दंतेवाड़ा। किरन्दुल थाना क्षेत्र के गमपुर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों बीच हुई मुठभेड़ को 24 घंटे भी नहीं बीते है कि ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों पर गंभीर आरोप लगा दिए। ग्रामीणों का कहना है कि फोर्स जिसे मुठभेड़ मे मारने का दावा कर रही है, वह नक्सली नहीं, किसान था। दंतेवाड़ा किरन्दुल थाना क्षेत्र के गमपुर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों बीच मंगलवार को मुठभेड़ हुई। पुलिस ने एनकाउंटर में दो नक्सलियों को मार गिराने का दावा किया। जिसमें एक महिला नक्सली है, जिस पर 5 लाख का इनाम घोषित था। दूसरा पुरुष नक्सली है जिस पर 1 लाख रुपये का इनाम रखा गया था। पुलिस ने दावा किया दोनों नक्सली कई बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। पुलिस ने नक्सलियों के शव जंगल से बरामद किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इधर मुठभेड़ के बारे में पता लगने के बाद पुरुष नक्सली लच्छु की पत्नी और गांव वाले जिला अस्पताल परिसर पहुंच गए और जमकर बवाल मचाया। परिजनों ने शव लेने से इंकार कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि लच्छु किसान है। जंगल महुआ बीनने निकला था। इस दौरान फोर्स ने गोली मारकर हत्या कर दी। ग्रामीणों ने सुरक्षाबलों पर गांव में जमकर उत्पात मचाने और घर में घुसकर लूटपाट करने का भी आरोप लगाया। लोगों ने बताया कि लगभग 45 हजार रुपये जवानों ने गांव से लूटे। लोगों ने पुलिस अधिकारियों से पैसा वापस करने की मांग की। नाराज ग्रामीणों के साथ समाज सेवी सोनी सोढ़ी भी जिला अस्पताल पहुंची और सुरक्षाबलों पर हत्या करने का आरोप लगाया। सोनी सोढ़ी ने कहा मृतक का एक भाई सोमडू डीआरजी में है। चचेरा भाई भी दंतेवाड़ा में ही फोर्स का सिपाही है। उसके दोनों भाई सुरक्षाबल में है। उनसे पूछे कि क्या उसका भाई नक्सली था। सरकार से सवाल है कि आदिवासियों को कब तक बांटते रहेंगे। भाई से भाई को कब तक मरवाते रहेंगे।

पुलिस का कहना है कि बस्तर में जब भी एनकाउंटर होते हैं ग्रामीण सुरक्षाबलों पर इसी तरह के आरोप लगाते हैं। ग्रामीणों के सुरक्षाबलों के पैसे लूटने के आरोप पर दंतेवाड़ा थाना प्रभारी ने कहा कि उनसे लिखित आवेदन लिया गया है। इसकी जांच की जाएगी।

थाना प्रभारी विजय पटेल ने कहा ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस वालों ने घर में घुसकर पैसे लूटे हैं। इस मामले में लिखित आवेदन एसपी को दे रहे हैं। जिस पर कार्रवाई की जाएगी। हर एनकाउंटर के बाद ग्रामीण मुठभेड़ को फर्जी होने का आरोप लगाते हैं।

सरकार के साथ वार्ता को लेकर नक्सलियों ने जारी किया बयान

जगदलपुर। जगदलपुर में नक्सलियों की दण्डकारण्य स्पेशल ज़ोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प ने अपना बयान जारी करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा लगातार बयान जारी कर वार्ता के लिए तैयार होने की बात कर रहे हैं, लेकिन नक्सलियों के द्वारा पूछे जा रहे सवाल का विजय शर्मा सीधा जवाब नहीं दे रहे हैं। नक्सलियों ने आगे लिखा कि वार्ता के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित होने की स्थिति में हम वार्ता के लिए आगे आएँगे, छह माह तक सशस्त्र बलों को कैम्पों तक सीमित कर नए कैम्प स्थापित ना किया जाए, झूठी मुठभेड़ें बंद हो, इसके अलावा आबादी के अनुरूप दलितों, आदिवासियों, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए सभी शासकीय, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के शैक्षिक व औद्योगिक संस्थानों में आरक्षण लागू करना, दलितों पर हिंसा, उत्पीड़न, शोषण पर रोक लगाने की मांग की है। दण्डकारण्य स्पेशल ज़ोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प ने आगे कहा कि जाति उन्मूलन, आदिवासी अंचलों को सही जनवादी स्वायत्तता, देश व विदेशों के कॉरपोरेट कंपनियों के साथ किए गए उन तमाम बड़ी खनन, बांध, औद्योगिक, सड़क, रेल, पर्यटन, टाइगर रिजर्व, अभ्यारण्य परियोजनाओं से संबंधित सभी समझौतों जो कि आदिवासियों को उनके जल-जंगल-जमीनों से बेदखल करने एवं देश की सार्वजनिक संपदाओं व संसाधनों की सस्ती लूट के लिए उद्देश्यित हैं पर्यावरण को बर्बाद करने वाले हैं इनको रद्द किया जाए।

कोरिया के अमरपुर में पंचाग के अनुसार नहीं मनाते होली

पहले ही खेल लेते हैं अबीर गुलाल

कोरिया। होली का त्योहार देशभर में 25 मार्च को मनाया जाएगा। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के अमरपुर गांव में पंचाग के अनुसार होली से पांच दिन पहले होली मनाने की परंपरा है। सालों से इस गांव के लोग इसी तरह होली का त्योहार मनाते आए हैं।

अमरपुर गांव जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से करीब 13 किलोमीटर की दूरी पर बसा हुआ है। आसपास के क्षेत्र में अमरपुर गांव का नाम पंचांग से पहले होली मनाने के लिए जाना जाता है। यानी सालों से इस गांव के लोग होली के त्योहार से पहले ही मनाते हैं।इस संबंध में गांव में कई किस्से कहे जाते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यदि वे हिंदू पंचांग के अनुसार होली के दिन खुशियां मनाएंगे तो गांव में कोई अप्रिय घटना घट जाएगी।

पहले जब भी होली के दिन त्यौहार मनाते थे तब गांव में कोई अप्रिय घटना घट जाती थी, इस वजह से पंचांग के अनुसार होली मनाना बंद कर दिया गया। उससे पांच दिन पहले होली खेलने की परंपरा शुरू की गई। त्योहार मनाने से पहले गांव के लोग मुर्गी की पूजा कर नकारात्मक शक्तियों को गांव से बाहर निकालते हैं इसके बाद होली मनाया जाता है।- गांव के ग्रामीण

अमरपुर के ग्रामीण पूर्वजों की चलाई जा रही प्रथाओं को लेकर बेहद गंभीर है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्वजों द्वारा बनाए गए नियम से ही गांव में अप्रिय घटना रुकी हुई है। ग्रामीण अपने आने वाली पीढ़ियों को भी पूर्वजों द्वारा बनाए गए नियमों के बारे में बताते हैं। सालों से चली आ रही परंपरा ने गांव को एक अलग ही पहचान दे दी है।

ग्रामीणों ने बताया कि होली के त्योहार से पहले गांव के सभी लोगों की बैठक होती है। बैठक में होली की तैयारी को लेकर चर्चा होने के बाद सभी लोग त्यौहार मनाते हैं। दिन में रंग गुलाल खेल कर फाग गीतों पर झूमने के बाद शाम को सब एक दूसरे के घर जाते हैं और मिठाइयां खाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार होने वाली होली के दिन गांव में कोई होली नहीं खेलता। गांव के लोग भी सालों से चली आ रही इस परंपरा को बचाए रखना चाहते हैं।

इनकम टैक्स ने फाईनेंस ब्रोशर के यहां दी दबिश

ससुर के घर में भी पड़ा छापा

राजनांदगांव। इनकम टैक्स की एक टीम ने गुरुवार को राजनांदगांव के वीआईपी रोड स्थित एक फाईनेंस ब्रोकर के घर छापा मारा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद आयकर विभाग की टीम ने ब्रोकर के पीछे स्थित एक मकान में दबिश दिया जो उसके ससुर का हैं वहां पर आय-व्यय कर जानकारी ली जा रही है। अधिकृत रूप से आयकर अफसरों की ओर से कोई जानकारी सामने नहीं आई।

आज लगभग 12 बजे के आसपास वीआईपी रोड स्थित ब्रोकर के घर आईटी के अफसरों ने धावा बोला। टीम सीधे ब्रोकर के घर में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ करते हुए उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। टीम पूरी तैयारी के साथ घर में पहुंची। इनकम टैक्स अफसरों ने सीधे सीए और लेखाजोखा देखने वाले डोंगरगढ़ के एकाउंटेंड के संबंध में जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि टीम को जांच के दौरान कुछ वित्तीय गड़बडियां भी मिली है। टैक्स के संबंध में ब्रोकर और उनके स्टॉफ द्वारा अफसरों को संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद एक अन्य टीम ब्रोकर के निवास के पीछे स्थित एक मकान में पहुंची।

सूत्रों का कहना है कि उक्त मकान ब्रोकर के ससुर का है। उनका भी फाईनेंस के कारोबार से वास्ता है। पुलिस की सुरक्षा में अफसरों ने आय-व्यय के संबंध में विशेष जानकारी ली। पूछताछ के दौरान एक कर्मचारी खुद को ठेकेदार बताकर किसी तरह बाहर निकला। बताया जा रहा है कि फाईनेंस ब्रोकर ने शहर के सांई दर्शन कालोनी और कमला कॉलेज रोड में एक विशालकाय व्यवसायिक काम्प्लेक्स का भी मालिक है। व्यवसायिक काम्प्लेक्स में किराना मर्चेंट, जिम और अन्य कारोबारियों का व्यवसाय चल रहा है। समाचार लिखे जाने तक आयकर विभाग की एक टीम पुलिस की सुरक्षा में घर में मौजूद है और अधिकृत रूप से कोई जानकारी सामने नहीं आई।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट जज चंदेल का पटना हाईकोर्ट ट्रांसफर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल का ट्रांसफर मद्राह हाई कोर्ट में कर दिया गया है। 15 मार्च 2024 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल को मद्रास हाई कोर्ट ट्रांसफर करने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव के बाद जस्टिस चंदेल ने मद्रास हाईकोर्ट की जगह पांच अन्य हाई कोर्ट में ट्रांसफर का अनुरोध किया। 15 मार्च को कॉलेजियम ने जस्टिस चंदेल को मद्रास हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने का प्रस्ताव रखा था। 17 मार्च को एक पत्र भेजकर जस्टिस चंदेल ने इस पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट की बजाय राजस्थान, मध्य प्रदेश, इलाहाबाद, पंजाब और हरियाणा या दिल्ली के उच्च न्यायालयों में स्थानांतरण को प्राथमिकता दी। जस्टिस के इस अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एक जस्टिस से परामर्श किया, जो छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मामलों से परिचित होने के कारण प्रस्तावित

स्थानांतरण पर अपने विचार देने की स्थिति में थे। इसके साथ ही पटना उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस की राय प्रक्रिया ज्ञापन के संदर्भ में मांगी गई। उन्होंने भी जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल के प्रस्तावित स्थानांतरण पर अपनी सहमति जताई।

कॉलेजियम ने जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल के अनुरोध प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने या उन्हें पांच हाई कोर्ट में से किसी एक में ट्रांसफर करने का अनुरोध नहीं माना। कॉलेजियम ने आंशिक रूप से उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल को 15 मार्च 2024 को कॉलेजियम द्वारा प्रस्तावित मद्रास उच्च न्यायालय के बजाय पटना उच्च न्यायालय में ट्रांसफर कर दिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

डाक मतपत्र से मतदान के लिए आवेदन 25 तक आमंत्रित

जगदलपुर। बस्तर संसदीय सीट पर लोकसभा चुनाव में 85 वर्ष से अधिक के मतदाता व ऐसे मतदाता जो मतदाता सूची में दिव्यांग के रूप में दर्ज हैं एवं उनके पास दिव्यांग प्रमाण पत्र है, जिसमें दिव्यांगता का प्रतिशत 40 से अधिक है, उन्हें होम वोटिंग की सुविधा की पात्रता होगी। इस हेतु इच्छुक मतदाता फार्म 12 डी भरकर आवेदन बूथ लेबल ऑफिसर के माध्यम से 25 मार्च तक जमा कर सकते हैं। इसी प्रकार बस्तर जिले के अंतर्गत कार्यरत अत्यावश्यक सेवा आकाशवाणी, रेल्वे, विद्युत, दूरसंचार, दूरदर्शन, स्वास्थ्य विभाग, डेयरी विकास निगम, पोस्ट आफिस एवं भारतीय खाद्य निगम में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत मीडियाकर्मी जो कि मतदान दिवस के दिन अपने कर्तव्य पर उपस्थित रहेंगे और वोटिंग से वंचित हो सकते हैं, उनके द्वारा 12-डी में आवेदन भरकर जिला डाक मतपत्र शाखा में मतदाता परिचय पत्र की छायाप्रति व मतदान दिवस के दिन कार्य में होने के प्रमाण सहित प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 मार्च तक निर्धारित है।

स्कूलों के वार्षिक परीक्षा की समय सारणी में परिवर्तन

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के द्वारा अप्रैल माह में पडने़ वाली भीषण गर्मी के कारण स्थानीय वार्षिक परीक्षा का समय प्रात: कालीन करने तथा चुनाव प्रशिक्षण के दौरान होने वाली वार्षिक परीक्षा का तिथि परिवर्तन करने के अनुरोध परजिला शिक्षा अधिकारी ने सतत एवं समग्र मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा की तिथि में संशोधन करते हुए परीक्षा के समय में परिवर्तन किया है। अप्रैल माह में पडने़ वाली भीषण गर्मी के कारण स्थानीय वार्षिक परीक्षा का समय प्रात: कालीन करने तथा चुनाव प्रशिक्षण के दौरान होने वाली वार्षिक परीक्षा का तिथि परिवर्तन करने संबंधी नवीन कार्यक्रम के अनुसार अब प्राथमिक शाला का परीक्षा समय सुबह 8.30 बजे से 10.30 तक तथा उच्च प्राथमिक शाला का समय सुबह 8.30 बजे से 11 बजे तक किया गया है।

बेमौसम बारिश से किसानों की बर्बाद हुई पूरी फसल

धमतरी। छत्तीसगढ़ में बेमौसम बारिश से एक तरफ मौसम सुहाना हो गया तो दूसरी तरफ किसान की चिंता बढ़ गई। मंगलवार को डुबान इलाके के अलग अलग गांवों में रहने वाले किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और मदद की गुहार लगाई। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि का कहर छत्तीसगढ़ के दूसरे जिलों के साथ धमतरी में भी दिखाई दिया। धमतरी के माडमसिल्ली इलाके के 6 गांवों में अति ओला वृष्टि हुई है। इतनी ज्यादा बर्फबारी के बाद नजारा कश्मीर या शिमला जैसा दिखाई देने लगा। इस बर्फबारी का बच्चों ने खूब आनंद लिया। लेकिन इस खूबसूरत लगने वाले दृश्य का दर्दनाक पहलू भी सामने आया। इस इलाके में लगाई गई धान, गेहूं, चान और सब्जी की पूरी फसल बर्बाद हो गई। समय से पहले ही पूरा महुआ पेड़ से झड़ गया। आम के पेड़ों में लगे बौर और अमिया भी झड़ गई। खपरैल के घरों में रहने वाले के घर पूरी तरह से बर्बाद हो गई। कई मवेशी और पशुपक्षी भी इस ओलावृष्टि की चपेट में आ गए। किसानों ने बताया कि कर्ज लेकर फसल लगाई थी। जो बर्बाद हो गई।

नहीं मिली धान की अंतर राशि कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

बलौदाबाजार। जिले के अधिकांश किसानों के खाते में धान बोनस यानि अंतर की राशि नहीं आने से वे परेशान है। ये वे किसान है, जिन्होंने दूधाधारी मठ ट्रस्ट या फिर स्कूल और कॉलेज की खेत रेगहा में लेकर धान बुवाई कर सोसायटी में बेचे थे। इनका भुगतान उन्हें मिल चुका है पर अंतर की राशि नहीं मिली है, जिसको लेकर वे आज कलेक्टर केएल चौहान से मिले और अंतर की राशि दिलाने निवेदन किया। इस पर कलेक्टर ने शासन के नियमों का हवाला देकर कहा कि शासन से यदि आदेश जारी होता है तो निश्चित ही आपके खाते में पैसा आ जाएगा। कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने किसान नरेन्द्र वर्मा, विजय कोशले, मन्नू यादव, छेदन बंजारे, रूपेश घृतलहरे, धनबाद, महाराज, रेशम साहू और रूपसिंह सभी ग्राम ओड़ान निवासी और कसडोल विकासखंड से भी किसान आये थे। किसानों का कहना है कि जब धान बेचे तो उसकी रकम किसानों के खाते में आ गया है पर अब जब अंतर की राशि के भुगतान की बारी आई तो नियमों का हवाला दिया जा रहा है।

कलेक्टर-एसपी ने देखी मतदान केंद्र की व्यवस्था

मंदिर हसौद। लोकसभा चुनाव की तैयारी का जायजा लेने कलेक्टर डॉ। गौरव सिंह एवं एसपी संतोष सिंह मंदिर हसौद एवं बहनाकाड़ी के मतदान केंद्र पहुंचे। केंद्र में गर्मी की दृष्टि से मतदाताओं को धूप से बचाव, पेयजल की व्यवस्था और शौचालय के इंतजाम करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों को पढ़ाया और रोचक जानकारियां भी दी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ। गौरव सिंह ने चंदखुरी रोड पर हो रहे पुलिया निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया और आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही वहां चल रहे सड़क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां सड़क मोटाई और डामरीकरण सामग्री की जांच की और निर्माण संबंधी आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ। गौरव सिंह मंदिर हसौद के स्वामी आत्मानंद स्कूल के मतदान केंद्र के निरीक्षण के दौरान वहां पढ़ाई कर रहे बच्चों से मिलने पहुंचे। उन्होंने बच्चों से बातचीत की और कुछ प्रश्न पूछे। उत्तर से प्रभावित हो उन्होंने बच्चों को पढ़ाया और रोचक जानकारियां बताई।

100 दिन में पूरी हुई मोदी की गारंटी, सभी सीटें जीतेगी भाजपा: केदार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी सरकार के 100 दिन पूर्ण होने पर कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने गुरुवार को जगदलपुर भाजपा जिला कार्यालय में पत्रवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जनता जर्नादन के आर्शीवाद से कांग्रेस के कुशासन को उखाड़ कर प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी है। 13 दिसम्बर 2023 को हमारी सरकार ने शपथ ली थी और विष्णुदेव साय की सरकार ने मात्र 100 दिनों के कार्यकाल में सफलता और विश्वास के इतने कीर्तिमान रचे हैं जितना पूरे पांच वर्ष में भी कांग्रेस की सरकार नहीं कर पायी।

मंत्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुशासन लौट आया है, यूं तो किसी भी सरकार के मूल्याकंन के लिए 100 दिन का समय काफी नहीं होता लेकिन साय सरकार के यह सौ दिन छत्तीसगढ़ में विश्वास की पुर्नबहाली, सुशासन के पुनरोदय के रहे हैं। कांग्रेस ने अपने कृत्यों से, जनता के साथ किये वादाखिलाफी से भरोसे का जो संकट पैदा किया था, भाजपा सरकार ने उस संकट को दूर किया है। जनता में फिर से सरकार के प्रति भरोसा बहाल हुआ है।

कश्यप ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो गारंटिया दी थी, केवल बारह हफ्ते के रिकॉर्ड समय में उनमें से अधिकांश बड़ी गारंटिया पूरी कर ली गयी हैं। हमारी भाजपा सरकार ने गरीब, किसान, महिलाओं व युवाओं के हित में बड़े फैसले लिये हैं और अल्प समय में जनता से किये वादों को पूरा करने में भाजपा सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है।

केदार कश्यप ने कहा कि शासकीय भर्तियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की पहल करते हुये हमने यूपीएससी की तर्ज़ पर परीक्षा प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। सीजी पीएससी परीक्षा 2021 के संबंध में प्राप्त शिकायतों की विस्तृत जांच के लिये सीबीआई को प्रकरण प्रेषित कर दिया गया है। मोदी की गारंटी के अनुरूप प्रदेश में श्रीरामलला दर्शन योजना आरंभ हो चुकी है। ऐसे ही प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों के हित में निर्णय लेते हुये शासकीय नौकरियों में छत्तीसगढ़ के स्थानीय नागरिकों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट की अवधि को पांच साल के लिये और बढ़ा दिया है। लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान निधि फिर से प्रारंभ करने व बकाया राशि प्रदान करने कि निर्णय भी लिया गया है। केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

प्रत्येक बूथ में 370 वोट भाजपा के पक्ष में बढ़ाने का लक्ष्य: जामवाल

जगदलपुर। बस्तर प्रवास पर आये भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने जिले के प्रत्येक बूथ में 370 वोट भाजपा के पक्ष में बढ़ाने कार्यकर्ताओं को लक्ष्य दिया है। जिसके लिये एक-एक मतदाता से, लाभार्थियों से संपर्क साधने और हर एक घर में दस्तक देने भाजपा कार्यकर्ताओं को कहा गया है। भाजपा कार्यालय में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल व प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय ने बस्तर जिले की तीनों विधानसभा जगदलपुर, चित्रकोट व बस्तर की कोर कमेटी की लंबी बैठक ली और बस्तर लोकसभा सीट को बड़े मार्जिन से जीतने की रणनीति बनाते हुये कोर कमेटी के सदस्यों से चर्चा की।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि बस्तर लोकसभा सीट में प्रथम चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। आज और अभी से मिले 30 दिनों में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को दिन रात मेहनत कर पूरी ताकत झोंकनी है जिन्हें जो दायित्व मिला है, वो उसे कर्मठता से पूरा करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं पर धरातल में काम हुआ है। प्रत्येक लाभार्थी, मतदाता से घर-घर जाकर कार्यकर्ता जीवंत संपर्क बनायें। प्रदेश में भी अब भाजपा की सरकार है। अपने बूथ को मजबूत करने पर काम करना है और हर बूथ से भाजपा के पक्ष में 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य साध मेहनत करनी है। प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय ने कहा कि कार्यकर्ता ही भाजपा की ताकत है। प्रदेश में भाजपा की सरकार कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही पुन-स्थापित हुई है। बस्तर लोकसभा सीट को बड़े मार्जिन से जीतना है। मन में यह बात ठान कर कार्यकर्ता प्राण-प्रण से चुनावी मैदान में आगे बढ़ें।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय आज राजनांदगांव व डोंगरगढ़ में करेंगे कार्यकर्ताओं को चार्ज

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शुक्रवार को कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए राजनांदगांव और डोंगरगांव में कार्यकर्ताओं को चार्ज करेंगे। मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे स्थानीय मठपारा स्थित शिवनाथ वाटिका में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात दोपहर एकबजे डोंगरगांव स्थित कृषि उपज मंडी में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में वे मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री साय भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे के पक्ष में चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद मुख्यमंत्री का यह पहला दौरा है जहां कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री चुनावी तैयारी की समीक्षा करेंगे।

कुम्हालोरी चेक प्वाइंट से तीन लाख जप्त

राजनांदगांव। आगामी लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसी दौरान ग्राम कुम्हालोरी चेक प्वाइंट में सुरगी पुलिस चौकी ने 3 लाख रुपए नगद जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 मार्च को ग्राम कुम्हालोरी में एमसीपी लगाकर वाहन चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की सूमो गोल्ड अहन को रोककर चेक करने पर उक्त वाहन में बैठा व्यक्ति केतन कुमार साहू निवासी रेंज ऑफिस के पीछे रामपुर जिला धमतरी के कब्जे से 3 लाख रुपए नगदी रकम बरामद हुआ, जिस संबंध वैध कागजात पेश नहीं कर पाने पर बरामद नगदी रकम को धारा 102 जाफौ के तहत जब्त कर कार्रवाई की गई।

संशोधित समय-सारिणी से होगी बस्तर विवि की परीक्षा

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के कारण शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय द्वारा जारी वार्षिक परीक्षा की समय-सारिणी में जरूरी संशोधन किया गया है। इसके अलावा दीक्षांत समारोह 5 मार्च के दिन जो परीक्षा घोषित थी वह भी संशोधित तिथि पर होगी। बाकी परीक्षाएं पूर्व में जारी समय-सारिणी अनुसार ही होती रहेंगी। जिन परीक्षाओं की तिथि बदली है, उनका संधोधित टाइम टेबल छात्र विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

प्रदेश के सभी मॉल और सार्वजनिक स्थानों पर लगे उपकरणों की होगी जांच

रायपुर। राजधानी के शॉपिंग मॉल में हुए हादसे में एक साले के मासूम राजवीर की दु:खद मृत्यु के बाद सीएम विष्णुदेव साय ने प्रदेश के सभी शॉपिंग मॉल के लिए निर्देश दिया है। अब प्रदेश के सभी शॉपिंग मॉल और ऐसे सार्वजनिक स्थानों के सुरक्षा उपकरणों समेत अन्य सुरक्षा व्यवस्था की जांच होगी। इसकी जानकारी सीएम ने ङ्ग के माध्यम से दी है। बता दें कि बीते 19 मार्च को एक परिवार सिटी सेंटर मॉल में दूसरे माले से तीसरे माले में जाने के लिए स्केलेटर में चढ़ रहा था। इसी दौरान एक साल का मासूम युवक के हाथ से छूट गया और वह नीचे जा गिरा। बच्चे को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

रिजल्ट से रविशंकर यूनिवर्सिटी के छात्र असंतुष्ट, रजिस्ट्रार से की शिकायत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पंडित रविशंकर यूनिवर्सिटी का रिजल्ट 19 मार्च 2024 को जारी किया गया, जिसके बाद छात्रों के आवेदनों और ज्ञापनों का कतार लगना शुरू हो चुका है। दरअसल 19 मार्च को पीआरएसयू ने अलग-अलग कक्षाओं के सेमेस्टर रिजल्ट जारी किया था, जिसमें एलएलबी सेम-5 में 55त्न छात्र उत्तीर्ण हुए। उत्तर पुस्तिका की चेकिंग और अपने अंकों से असंतुष्ट छात्र पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन पहुंचकर रजिस्ट्रार शैलेंद्र कुमार पटेल को ज्ञापन सौंपा। सौ। कुसुमताई दबके लॉ कॉलेज के एलएलबी सेम- 3 और सेम-5 के छात्रों ने बताया, इस बार सेंट्रल वैल्यूएशन में उत्तरपुस्तिकाओं की निम्न स्तर की चेकिंग की गई है, जिसमें मेधावी छात्र को भी अनुत्तीर्ण कर दिया गया। साथ ही रिजल्ट जारी किए जाने के बाद रिवेल्यूएशन के फॉर्म के साथ अगले सेमेस्टर के एग्जाम फॉर्म भी भरने शुरू कर दिए गए हैं। इस मामले में रजिस्ट्रार शैलेंद्र कुमार पटेल ने कहा कि छात्रों को रिवेल्यूएशन फॉर्म भरने कहा गया है। साथ ही छात्र आरटीआई भी लगा सकते हैं।

कोई कांग्रेस से लड़ने को तैयार नहीं, बड़ा बुरा हाल है: साय

■ प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर पाने पर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर कसा तंज

रायपुर। लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर पाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का बड़ा बुरा हाल है, कोई लड़ने को तैयार नहीं है। कल से प्रथम चरण के लिए नॉमिनेशन शुरू हो गया है। बस्तर में प्रथम चरण में चुनाव होना है, लेकिन कांग्रेस अभी तक प्रत्याशी घोषणा नहीं कर पाई है।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का प्रचार करने बस्तर के दौरे पर रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि लोग कांग्रेस छोड़-छोड़ कर जा रहे हैं। वहीं राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विरोध पर कहा कि आप देख रहे हैं कि किस तरह से उसका विरोध हो रहा है। मंच पर उनके कार्यकर्ता विरोध कर रहे हैं।

बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान के आंकलन के आदेश पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने सभी कलेक्टर को बरसात-ओला गिरने से चना, गेहूं, सब्जी, भाजी समेत अन्य फसल को हुई क्षति का सर्वे कर सबको मुआवजा देने का निर्देश दिया है। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। छत्तीसगढ़ की सरकार किसान हितैषी सरकार है। जो किसानों का नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई सरकार करेगी।

इनकम टैक्स विभाग द्वारा जमीन को लेकर अमरजीत भगत को लिखे खत पर कहा कि कांग्रेस शासनकाल में जमकर जमीन घोटाला हुआ। अमरजीत भगत प्रभारी मंत्री थे, तब कोरवा परिवार की 25 एकड़ जमीन अपने बेटे के नाम से रजिस्ट्री करा ली थी। उस वक्त हमने सांसद गोमती साय के अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाई थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को राज्यपाल से मिलाया भी था। उन्होंने अपनी आपबीती बताई थी। उसके बाद अमरजीत भगत को जमीन लौटना पड़ा था, और भी जमीन घोटाले हैं। सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा है।

अंतर्कलह से उबरे तभी तो प्रत्याशी घोषित करेंगे, इनकी नइया में सच में छेद है

कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित नहीं होने पर भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में लड़ने वाले लोग नहीं मिल रहे हैं। इसलिए उनका प्रत्याशी घोषित नहीं हो रहा है। इन सीटों में भी उन्हें इंडिया गठबंधन को सौंप देना चाहिए। ताकि वह अपने प्रत्याशी उतार सकें। डायरेक्ट फाइट की स्थिति नहीं है। कांग्रेस के पास योग उम्मीदवार नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जो है अभी वह अंतर्कलह से पीड़ित है। अंतर्कलह से उबरे तभी तो प्रत्याशी घोषित करेंगे। दीपक बैज की उम्मीदवारी पर लखमा ने खुद को गाड़ दिया है। वही हाल सब जगह है। चंद्राकर ने दीपक बैज और कवासी लखमा की फोटो पर पर चुटकी लेते हुए कहा कि ये डीप फेक तस्वीर है।

कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने पर चंद्राकर ने कहा कि मेरे पास कांग्रेस के अभी भी कम से कम 1000 लोगों की सूची है जो भाजपा में प्रवेश कर सकते हैं। सच में भगदड़ की स्थिति है। कांग्रेस की नइया में सच में छेद है। अम्बिकापुर में बांग्लादेशी शरणार्थियों को जमीन देने के मामले पर अजय ने कहा कि कांग्रेस और घोटाला एक दूसरे की पहचान हैं। यह बुद्धि में बीरबल से भी तेज लोग हैं। जहां मौका मिला वहां साफ किया। विधानसभा में हमारे प्रश्नों में सब में जांच कमेटी गठित की गई है। घोटाला हुआ है, तो जांच होगी।

नक्सलियों के द्वारा फेके गए पर्चे पर अजय चंद्राकर ने कहा कि नक्सली अपनी शर्तों पर बातचीत करना चाहते हैं और बातचीत निशर्त होनी चाहिए। संविधान के दायरे में होनी चाहिए। वह इतने बड़े लोग नहीं हैं कि संविधान और प्रशासन के दायरे के बाहर से बात की जाए।

बस्तर में राहुल-प्रियंका को लड़ा लें चुनाव भाजपा कर देगी साफ: केदार कश्यप

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव 2024 पहले चरण के तहत 19 अप्रैल 2024 को बस्तर लोकसभा सीट पर भी मतदान होने हैं। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने अपना उम्मीदवार महेश कश्यप को बनाया है। लेकिन कांग्रेस ने बस्तर लोकसभा सीट पर अभी तक प्रत्याशी तय नहीं किया है। जिसको लेकर अब बयानबाजी भी शुरु हो गई है। बीजेपी इसे लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है।

छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, बस्तर पीसीसी के अध्यक्ष का क्षेत्र है। बस्तर दो दो पीसीसी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री का क्षेत्र है। आज पूरे देश, छत्तीसगढ़ सहित बस्तर में ऐसा वातावरण बन रहा है कि कांग्रेस के हांथ पांव फूल गए हैं। कांग्रेस यह तय नहीं कर पा रही है कि इस सीट से कौन लड़ेगा। इनके अंदर आपसी सिर फुट्टव्वल की स्थिति है।

केदार कश्यप ने कहा अमेठी से राहुल गांधी भाग रहे हैं, प्रियंका वाड्रा भाग रही है, तो भाग कर बस्तर में आ जाएं। वहां से साफ हो ही गए हैं, बस्तर में भी स्वच्छ भारत अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी इनको साफ कर देगी। लोकसभा चुनाव 2024 पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल 2024 को होने हैं। इसके लिए चुनाव आयोग ने 20 मार्च को अधिसूचना भी जारी कर दी है। प्रथम चरण के तहत 19 अप्रैल को बस्तर लोकसभा क्षेत्र में भी वोटल डाले जाएंगे। बस्तर लोकसभा सीट आदिवासियों के लिए आरक्षित है। ।यहां चुनाव को लेकर तैयारियां भी सभी पार्टियों ने शुरु कर दी है। बीजेपी ने तो काफी पहले अपने प्रत्याशियों ऐलान कर दिया है, लेकिन अब तक कांग्रेस अपना प्रत्याशी तय नहीं कर सकी है। जिसे लेकर बीजेपी कांग्रेस पर हमलावर है।

संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत हटाए गए बैनर-पोस्टर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। राज्य में संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से वॉल राइटिंग, पोस्टर और बैनर हटाने की जारी है। राज्य में इन दोनों तरह की संपत्तियों से 20 मार्च तक कुल तीन लाख 14 हजार 674 प्रचार सामग्रियां हटाई गई हैं। सार्वजनिक संपत्तियों से संबंधित एक लाख 99 हजार 154 और निजी संपत्तियों से संबंधित एक लाख 15 हजार 520 प्रकरणों पर कार्रवाई की गई है।

राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि सभी कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों की ओर से संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत प्रदेशभर में कुल तीन लाख 27 हजार 210 प्रकरण चिन्हांकित किए गए हैं। इनमें सार्वजनिक संपत्ति से संबंधित दो लाख नौ हजार 45 और निजी संपत्ति से संबंधित एक लाख 18 हजार 165 प्रकरण शामिल हैं। सभी जिला प्रशासन की ओर से इन्हें हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अधिनियम के तहत दुर्ग जिले में सरकारी और निजी संपत्तियों से बैनर, पोस्टर, वॉल राइटिंग हटाने की 41 हजार 788, सुकमा में 2048, गरियाबंद में 5784, बेमेतरा में 8928, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में 2819, बालोद में 16 हजार 973, जशपुर में 4425, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 2931 और सरगुजा में 9876 कार्रवाई की गई हैं।

संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में कुल 8935, रायगढ़ में 4557, सूरजपुर में 3942, कांकेर में 4591, बिलासपुर में 27 हजार 881, दंतेवाड़ा में 1383, महासमुंद में 23 हजार 137, जांजगीर-चांपा में 8531, बस्तर में 823, कोरबा में 19 हजार 343, कोण्डागांव में 12 हजार 339, कबीरधाम में 12 हजार 700, बीजापुर में 1886, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 5774, राजनांदगांव में 16 हजार 927 पोस्टर और बैनर हटाने की कार्रवाई की गई है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा नेताओं ने भरा जोश

कांकेर। लोकसभा चुनाव की तैयारी हेतु कांकेर विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन नरहरपुर में आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में सांसद मोहन मण्डावी, लोकसभा क्लस्टर सह प्रभारी यशवंत जैन, लोकसभा संयोजक भरत मटियारा, विधायक आशाराम नेताम, नीलकंठ टेकाम, पूर्व विधायक रंजना साहू, सुमित्रा मारकोले व लोकसभा प्रत्याशी भोजराज नाग उपस्थित रहे ।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांकेर सांसद मोहन मण्डावी ने कहा कि आज देश में प्रधानमंत्री के गांरटी की ही चर्चा है। कांग्रेस ने सत्ता में रहते केवल जनता को ठगने का काम किया है, और अब भाजपा की देखा-देखी गारंटी के नाम पर फिर से जनता को छलावा परोस रही है। लोकसभा प्रत्याशी भोजराज नाग ने अपने लिए जनता से वोट की अपील करते हुए कहा कि भाजपा ने मुझ जैसे अंचल के छोटे कार्यकर्ता को लोकसभा का प्रत्याशी बनाया है। मै जनता को विश्वास दिलाता हूं कि मै उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूंगा और दिल्ली में कांकेर लोकसभा की आवाज बुलंद करूंगा। उन्होने कहा कि आज देश में भाजपा के पक्ष में वातावरण बन गया है । जनता इस बार भारतीय जनता पार्टी को 400 से अधिक सीट देने के लिए तैयार बैठी है। कांग्रेस में चुनाव लडने् के लिए नेता तैयार नही हो रहे है। अपनी संभावित हार को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के नेता कांग्रेस छोड़कर भाग रहे है।

कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि पूरे देश में भाजपा के पक्ष में माहौल है। कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता भाजपा के विकास कार्यो से प्रभावित होकर हजारो की संख्या में भाजपा प्रवेश कर रहे है। भाजपा ने हमेशा विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ा है। छग और क्षेत्र का विकास यदि कोई कर सकता है तो वह सिर्फ भाजपा ही है। पूर्व विधायक रंजना साहू ने कहा कि भाजपा ने हमेशा जनता की चिंता की है। सत्ता में आने के मात्र दो माह में ही सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दी गई गारंटी में से 18 लाख आवास, 21 क्विंटल धान प्रति एकड़, धान प्रति क्विंटल 3100 रू, महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की पात्र महिलाओं को 1000 रूपये मिलना प्रारंभ हो चुका है। भाजपा ही ऐसी एकमात्र पार्टी है जो प्रदेश का चहूंमुखी विकास कर सकती है।

केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि ये चुनाव सुनहरे भविष्य के लिये है। कांग्रेस ने पिछले 5 वर्ष छग में शासन के दौरान छग के विकास को बाधित करने का ही काम किया है। छग में पुनः भाजपा की सरकार आने के बाद प्रदेश वापस विकास के रास्ते पर दौडने् लगा है। छग के सम्पूर्ण विकास के लिये डबल इंजन की सरकार होना जरूरी है, इसलिये केंद्र में भाजपा सरकार के लिये वोट करे और दूसरों को भी प्रेरित करे।

केंद्र में कांग्रेस की सरकार आते ही महिलाओं की गारंटी होगी पूरी: ज्योत्सना महंत

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कोरबा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत ने एक बार फिर लोकसभा चुनाव जीतने का दावा किया।ज्योत्सना महंत ने इस दौरान अपनी विरोधी बीजेपी नेता सरोज पाण्डेय को लेकर किसी भी तरह से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।साथ ही साथ कहा कि कांग्रेस पिछले पांच साल में हुए विकास कार्यों को लेकर ही जनता के बीच जाएगी। ज्योत्सना महंत ने कहा कि पिछले पांच में कई काम कोरोना के कारण बाधित हुए थे।लेकिन इस बार कोरबा लोकसभा क्षेत्र में विकास का काम तेजी से किया गया है।

राहुल गांधी की हर गारंटी होगी पूरी = लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने जनता के लिए पांच निश्चित गारंटी को पूरा करने का वादा किया है।जिसमें महिलाओं को हर साल एक लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की गई है। इस गारंटी को लेकर ज्योत्सना महंत ने कहा कि महिलाओं के लिए कांग्रेस ने बड़ा ऐलान किया है।ये राहुल जी की गारंटी है।जो जरुर पूरी होगी।

कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत ने कहा केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनती है तो महिलाओं को प्रत्येक वर्ष एक लाख रुपए देने की राहुलजी की गारंटी को पूरा किया जाएगा।यही नहीं कांग्रेस की केंद्र में सरकार आते ही विकास के कई कार्य भी देखने को मिलेंगे। हमारे ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से हम चुनाव जीतेंगे।

सरोज पाण्डेय पर नहीं दिया बयान = इस दौरान जब ज्योत्सना महंत से पूछा गया कि क्या वो अपनी विरोधी सरोज पाण्डेय को बाहरी मानती है तो महंत ने किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सरोज पाण्डेय को बाहरी प्रत्याशी बोलने के जवाब में महंत ने कहा कि मैं एक खुद महिला हूं। इसीलिए किसी महिला के विरोध में इस प्रकार की टिप्पणी नहीं करूंगी। वो भी एक महिला हैं। हमारे लिए सम्माननीय है। मैं पिछले पांच वर्षों के विकास कार्यों को लेकर चुनाव मैदान पर हूं।

कांग्रेस को चुनाव में रोकने की हो रही कोशिश: सचिन पायलट

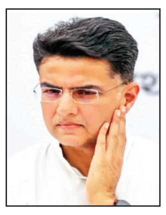

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर गुरुवार को रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस के खाते सील कर रही है। कांग्रेस को चुनाव में रोकने की कोशिश हो रही है। आयकर का नोटिस देना, प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई कर रही है। लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। प्रमुख विपक्षी दल पर अंकुश लगाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग को इस पर तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। प्रत्याशियों को लेकर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शेष सीटों पर जल्द प्रत्याशी घोषित किये जाएंगे। जो प्रत्याशी घोषित हैं उनका जबरदस्त प्रचार चल रहा है। छत्तीसगढ़ में इस बार पहले से कहीं ज्यादा बेहतर परिणाम आएगा।

इलेक्टोरल बॉन्ड पर हो रही सियासत पर सचिन ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया। राहुल गांधी ने कहा कि यह वसूली का तंत्र बन गया है। दुनिया ने पहला प्रकरण देखा जब सरकार के तंत्र के तहत ऐसा व्यापक घोटाला हुआ। भाजपा के खातों को सीज किया जाना चाहिए। लेकिन केंद्र सरकार कांग्रेस के खाते सीज कर रही है। देश में स्वतंत्र पारदर्शी चुनाव कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। निर्वाचन आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए। इलेक्टरल बॉन्ड्स की नीति और नियत में फर्क आया है। उन्होंने आगे कहा कि देश में आम चुनाव घोषित हो चुके हैं। कांग्रेस एक प्रमुख विपक्षी दल है। 32 साल पुराने आयकर प्रकरण का कोई केस थमा देना, बहाने बाजी कर आर्थिक रूप से कांग्रेस पार्टी को एक प्लेयिंग फील्ड न देना, यह आचार संहिता का और नैतिकता का उल्लंघन है। निर्वाचन आयोग से निवेदन है कि इस प्रकार की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए।

रायपुर लोकसभा सीट का महासंग्राम, भाजपा के अजेय किले को क्या भेद पाएगी कांग्रेस ?

रायपुर। रायपुर लोकसभा सीट छत्तीसगढ़ की सबसे पुरानी लोकसभा सीटों में से एक है। आजादी के बाद से 90 के दशक तक यह कांग्रेस का गढ़ था। लेकिन 1996 के बाद यह बीजेपी का अभेद गढ़ बन गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में रायपुर सीट से बीजेपी के सुनील सोनी सांसद चुने गए थे। लेकिन इस बार बीजेपी ने अपने कद्दावर नेता और साय सरकार में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस ने युवा कार्ड खेलते हुए पूर्व विधायक विकास उपाध्याय पर दांव लगाया है।

भाजपा ने मोहन भैया को बनाया प्रत्याशी

छत्तीसगढ़ की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का दिग्गज चेहरा बृजमोहन अग्रवाल पिछले 35 सालों से लागातार विधायक हैं। बृजमोहन अग्रवाल रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का लगातार आठवीं बार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने अपने राजनीति करियर की शुरुआत एबीव्हीपी से छात्र नेता के रूप में किया था। जिसके बाद साल 1990 में अविभाजित मध्यप्रदेश के समय पहली बार विधायक बनें। इसके बाद 1993, 1998 में भी अविभाजित मध्य प्रदेश में रायपुर से विधायक रहे। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद लगातार पांच बार 2003, 2008, 2013, 2018 और 2023 में बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की है। अब बीजेपी ने बड़ा दांव खेलते हुए साय सरकार में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को रायपुर लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। अग्रवाल को बीजेपी का गढ़ माने जाने वाली रायपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया गया है।

कौन हैं विकास उपाध्याय ?

विकास उपाध्याय रायपुर जिला कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में से एक हैं।

उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1994 में ह्स्ढ्ढ के छात्रनेता के रूप में की। विकास उपाध्याय 1998 में एनएसयूआई के ब्लॉक अध्यक्ष और 1999 में रायपुर जिले के एनएसयूआई जिला अध्यक्ष बने। इसके बाद 2004 में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष बने। 2006 में एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव बने और 2009 में राष्ट्रीय सचिव युवा कांग्रेस बने। 2010 में राष्ट्रीय महासचिव युवा कांग्रेस बने। 2013 से 2018 तक वे जिला कांग्रेस अध्यक्ष रायपुर शहर रहे। इस बीच विधानसभा चुनाव 2018 में कांग्रेस ने रायपुर पश्चिम से विकास को अपना प्रत्याशी बनाया। इस विस चुनाव में विकास उपाध्याय ने बीजेपी के दिग्गज नेता और तत्कालीन रमन सरकार में मंत्री राजेश मूणत को करारी शिकस्त दी और रायपुर पश्चिम विधानसभा से पहली बार विधायक चुने गए। हांलाकि, 2023 के विधानसभा चुनाव में राजेश मूणत ने वापसी की और विकास को इस सीट पर हार का सामना करना पड़ा। वहां अब कांग्रेस ने रायपुर लोकसभा सीट से विकास उपाध्याय पर फिर से दांव खेला है।

रायपुर लोकसभा सीट का सियासी इतिहास

रायपुर शहर छत्तीसगढ़ की राजधानी है। इसलिए रायपुर लोकसभा क्षेत्र प्रदेश की राजनीति का केंद्र है। देश की आजादी से लेकर 90 के दशक तक इस लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस का दबदबा था। लेकिन 1989 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के रमेश बैस ने जीत दर्ज की और पहली बार रायपुर से सांसद निर्वाचित हुए। हांलाकि 1991 के चुनाव में कांग्रेस के विद्याचरण शुक्ल ने जीत दर्ज की। लेकिन 1996 में बीजेपी ने वापसी की और रमेश बैस रायपुर सीट से दोबारा सांसद चुने गए। तब से लेकर आज तक हुए 7 लोकसभा चुनावों में बीजेपी अजेय रही है। अब रायपुर लोकसभा सीट को बीजेपी का गढ़ माना जाता है। रायपुर लोकसभा सीट से सबसे अधिक सात बार रमेश बैस सांसद निर्वाचित हुए। अभी रायपुर सीट से बीजेपी के सुनील सोनी सांसद हैं।

रायपुर लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा सीटें

रायपुर लोकसभा सीट में कुल नौ विधानसभा सीटें हैं। जिसमें रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, रायपुर पश्चिम, रायपुर ग्रामीण, आरंग, अभनपुर, बलौदाबाजार, भाटापारा और धरसींवा की सीटें शामिल हैं। इन सभी सीटों पर स्थानीयता और जातिवाद का मुद्दा हमेशा हावी रहता है।

रायपुर लोकसभा सीट का संसदीय इतिहास

1952 में कांग्रेस के भूपेंद्र नाथ मिश्रा ने जीत दर्ज कर रायपुर लोकसभा से पहले सांसद बने।
1957 में कांग्रेस के राजा बीरेंद्र बहादुर सिंह सांसद बने।
1962 में कांग्रेस के केशर कुमारी देवी सांसद बनीं।
1967 में कांग्रेस के लखन लाल गुप्ता जीते।
1971 में कांग्रेस के विद्याचरण शुक्ल को जीत मिली।
1977 में कांग्रेस के पुरुषोत्तम लाल कौशिक जीते।
1980 में कांग्रेस के केयूर भूषण सांसद बने।
1984 में कांग्रेस के केयूर भूषण दोबारा सांसद बने।
1989 में बीजेपी के रमेश बैस पहली बार सांसद बने।
1991 में कांग्रेस के विद्याचरण शुक्ल दूसरी बार सांसद बने।
1996 में बीजेपी के रमेश बैस दूसरी बार सांसद बने।
1998 में बीजेपी के रमेश बैस तीसरी बार जीते।
1999 में बीजेपी के रमेश बैस चौथी बार विजयी रहे।
2004 में बीजेपी के रमेश बैस पांचवीं बार जीते।
2009 में बीजेपी के रमेश बैस छठवीं बार सांसद बने।
2014 में बीजेपी के रमेश बैस सातवीं बार सांसद बने।
2019 में बीजेपी के सुनील सोनी ने जीत हासिल की।

प्रचंड के सामने चीन से दूरी दिखाने की चुनौती

चंद्रभूषण

नेपाली राजनीति में एक अर्से से तीसरे नंबर की ताकत होने के बावजूद सवा साल में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' की सत्ता पर फिलहाल कोई खतरा नहीं लगता, लेकिन गद्दी पर उनका वक्त अच्छा गुजरने के भी कोई आसार नहीं हैं। नवंबर 2022 में हुए आम चुनाव के बाद से यह दूसरा मौका है, जब उन्होंने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के सहयोग से सरकार बनाई है। इसके पहले बतौर प्रधानमंत्री अपने इस कार्यकाल की शुरुआत उन्होंने इसी गठबंधन के साथ की थी, लेकिन वह सरकार कुल तीन महीने ही चली। फिर साल भर प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस के साथ सरकार चलाई और अभी कड़वाहट के साथ दोनों अलग हुए। ज्यादा बड़ी बात यह है कि नई सरकार बनने के तीसरे-चौथे दिन ही मौजूदा सत्तारूढ़ गठबंधन के दोनों मुख्य दलों नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) और सीपीएन (यूएमएल) के दो बड़े नेता लगभग एक क्विंटल सोने की स्मगलिंग में देश की मुख्य खुफिया संस्था सीआईबी द्वारा धर लिए गए। सीआईबी के पास इस बात का सबूत है कि सीपीएन (माओवादी) के उपाध्यक्ष कृष्ण बहादुर महरा और उनके बेटे राहुल ने स्मगलरों के एक चीनी गैंग से फोन पर 256 बार बात की थी। इस पार्टी के युवा नेता और पूर्व उपराष्ट्रपति नंद बहादुर पुन के बेटे दीपेश पुन इस मामले में पहले से ही अंदर हैं, जबकि नेपाल के पूर्व पुलिस प्रमुख और यूएमएल नेता सर्बेंद्र खनाल का नंबर महरा के साथ आया है। याद रहे, दिसंबर 2022 में, 'प्रचंड' की सरकार बनने के तुरंत बाद नेपाल में इस खबर से सनसनी फैल गई थी कि गाड़ियों के ब्रेक और ई-सिगरेट की शक्ल में सोने की एक बहुत बड़ी खेप ऊपरी सांठगांठ के बल पर काठमांडू हवाई अड्डे से निकाल ली गई, जो थोड़ी देर बाद पकड़ी गई। फिर मामले को दबाने और जांच के नाम पर लीपापोती करने की खबरें बाहर आने लगीं और यूएमएल का जैसे ही माओवादियों से गठबंधन टूटा, उसने संसद में इसको बड़ा मुद्दा बना दिया। बवाल बढ़ने पर नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में चल रही 'प्रचंड' सरकार ने मामले की जांच पूर्व चीफ जस्टिस दिली राज आचार्य के नेतृत्व में गठित आयोग को सौंपी, जिसने न केवल कई हाई प्रोफाइल लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ करने की अनुशंसा की, बल्कि यह भी कहा कि सरकार की ओर से दोषियों को बचाने के प्रयास किए गए हैं। नेपाली राजनीति में कुछ समय से जारी हलचलें लोकतंत्र पर मंडरा रहे बड़े संकट का संकेत दे रही हैं। अभी तक माना जाता था कि नेपाली राजनेताओं ने थोड़ा ही पहले लोकतांत्रिक राजनीति में प्रवेश लिया है। लिहाजा सत्ता के लालच में वे अवसरवाद करते रहते हैं। लेकिन शीर्ष नेताओं और अफसरों का सोने की स्मगलिंग से जुड़ा होना कुछ अलग ही बात है। राजतंत्र की वापसी के लिए प्रयासरत शक्तियों को इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमले का एक हथियार मिल गया है। नवंबर-दिसंबर 2023 में राजधानी काठमांडू समेत नेपाल के कई शहरों में राजतंत्र और हिंदू राष्ट्र की वापसी के लिए छोटे-बड़े प्रदर्शन हुए थे। ध्यान रहे, 2008 में नेपाल से राजतंत्र के खात्मे और गणतंत्र की घोषणा के बाद से लोकतंत्र के प्रति अरुचि जताने वाले कई आयोजन हुए हैं, लेकिन पहला ही मौका था जब देश में नीचे तक फैले कर्ज संकट से इसे जोड़ दिए जाने के चलते आम जनता में इसे मजाक का विषय नहीं समझा गया। राजतंत्र समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी पहली बार अपने चौदह सांसद चुनवाने में सफल रही है। इससे भी बड़ी बात यह कि नेपाल में लोकतंत्र की प्रतीक समझी जाने वाली नेपाली कांग्रेस के आयोजनों में भी 'हिंदू राष्ट्र' का आकर्षण दिखने लगा है। 'प्रचंड' की खासियत है कि किसी पार्टी के साथ गठबंधन से बाहर आते समय वे आगे के लिए गुंजाइश बचाकर रखते हैं। लेकिन इस बार नेपाली कांग्रेस और खासकर उसके शीर्ष नेता शेर बहादुर देउबा के लिए उन्होंने 'भ्रष्ट' और 'दक्षिणपंथी' जैसे शब्द बोले। इसका कोई तात्कालिक कारण भी नहीं था।

चुनावी बॉण्ड और काला धन

योगेंद्र योगी

चुनावी बॉण्ड के विवरण को सार्वजनिक करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार के साथ चंदा देने वाले उद्योगपतियों को मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। चुनावी बॉण्ड की खरीद के तहत सर्वाधिक चंदा भारतीय जनता पार्टी को मिला है। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने वित्त वर्ष 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के जरिये करीब 1,300 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा जुटाया है। यह राशि इसी अवधि में चुनावी बॉन्ड के जरिये कांग्रेस को मिले चंदे की तुलना में सात गुना अधिक है। कांग्रेस को चुनावी बॉन्ड के जरिये 171 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 236 करोड़ रुपये से कम है। राज्य स्तर पर समाजवादी पार्टी को 2021-22 में चुनावी बॉन्ड के जरिए 3.2 करोड़ रुपये की आय हुई थी लेकिन 2022-23 में उसे इन बॉन्ड के जरिये कोई धनराशि नहीं मिली। वहीं, राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त एक अन्य दल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 34 करोड़ रुपये मिले, जो पिछले वित्त वर्ष से 10 गुना अधिक राशि है।

ऐसा नहीं है कि एसबीआई के लिए बॉण्ड की जानकारी का खुलासा करना कोई बहुत कठिन काम हो। एसबीआई चाहे तो 24 घंटे में जानकारी को मुहैया करा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अर्जी दाखिल करके बॉण्ड की जानकारी सार्वजनिक करने के लिए 30 जून तक समय मांगा है। दरअसल इस बीच लोकसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएंगे। इसके बाद केंद्र की भाजपा सरकार को मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे पहले चुनावी बॉण्ड का खुलासा होने पर सर्वाधिक समस्या बॉण्ड के रूप में चंदा देने वाले उद्योगपतियों और व्यवसायियों को करना पड़ेगा। भाजपा को चुंकि सर्वाधिक चंदा मिला है, ऐसे में बॉण्ड के खरीददार कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के निशाने पर रहेंगे। विशेष कर जिन राज्यों में कांग्रेस और गैर भाजपा दलों की सरकारें हैं, उनमें बॉण्ड खरीददारों को सत्तारुढ़ दलों के कोपभाजन का निशाना बनना पड़ सकता है। राजनीतिक दुर्भावना की नीयत से इनके खिलाफ कार्रवाई करने में विपक्षी दल कसर बाकी नहीं छोड़ेगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी और विपक्षी पार्टी के नेता पहले ही अडानी और अंबानी को घेरे हुए हैं। यही वजह है कि एसबीआई गले पड़ी इस मुसीबत को टालने के लिए 30 जून तक का समय मांग रही है। इस अवधि के बाद केंद्र की भाजपा सरकार को किसी बात का डर नहीं रहेगा। भाजपा को पूरी उम्मीद है कि फिर केंद्र में सरकार उसकी की बनेगी। सरकार बनने के बाद भाजपा के बॉण्ड के खरीददारों को सुरक्षा देने में केंद्र सरकार कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। लेकिन इससे पहले यदि इनके नामों का खुलासा किया गया तो निश्चित तौर पर राज्यों के सत्तारुढ़ विपक्षी दल खरीददारों का बख्शेंगे नहीं। कारण स्पष्ट है कि भाजपा की तुलना कांग्रेस को बेहद कम और अन्य दलों को अल्पमात्र चंदा मिला है।

पिछले महीने, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच- न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया था और एसबीआई को राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जानकारी में नकदीकरण की तारीख और बांड के मूल्यवर्ग को शामिल किया जाना चाहिए और 6 मार्च तक चुनाव पैनल को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को आदेश दिया था कि वह इन बॉन्डों को जारी करना बंद कर दे और इस माध्यम से किए गए दान का विवरण चुनाव आयोग को दे। इसके बाद चुनाव आयोग से कहा गया कि वह इस जानकारी को 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने माना कि काले धन से लडने् और दानदाताओं की गोपनीयता बनाए रखने का घोषित उद्देश्य इस योजना का बचाव नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि चुनावी बांड काले धन पर अंकुश लगाने का एकमात्र तरीका नहीं है। चुनावी बांड योजना 2018 में काले धन को राजनीतिक प्रणाली में प्रवेश करने से रोकने के घोषित उद्देश्य के साथ शुरू की गई थी। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि भारत में राजनीतिक फंडिंग की पारंपरिक प्रथा नकद दान है। उन्होंने कहा था, स्रोत गुमनाम या छद्म नाम हैं। धन की मात्रा का कभी खुलासा नहीं किया गया। वर्तमान प्रणाली अज्ञात स्रोतों से आने वाले अशुद्ध धन को सुनिश्चित करती है। यह पूरी तरह से गैर-पारदर्शी प्रणाली है। गोपनीयता खंड पर, उन्होंने कहा था कि दानदाताओं की पहचान का खुलासा उन्हें नकद विकल्प पर वापस ले जाएगा। दानकर्ता की जानकारी गोपनीय रखने के लिए एसबीआइ ने इलेक्टोरल बांड की खरीद और भुगतान के संबंध में देशभर में अपनी 29 अधिकृत शाखाओं (जहां से पहले इलेक्टोरल बांड जारी होते थे) के लिए एक स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) तय किया था। इसमें कहा गया था कि गोपनीयता बनाए रखने के लिए इलेक्टोरल बांड खरीदने वाले के बारे में कोई भी ब्योरा यहां तक कि केवाइसी भी कोर बैंकिंग सिस्टम में नहीं डाली जाएगी। एसबीआइ ने कहा है कि शाखाओं के जरिए खरीदे गए इलेक्टोरल बांड का ब्योरा केंद्रीयकृत ढंग से एक जगह नहीं रखा जाता। बांड खरीदने और उसके भुगतान की तिथि से जुड़ा ब्योरा दो भिन्न सिलोस में रखा जाता है। भारतीय स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड का विवरण अब तक साझा नहीं किया है। इसकी डेडलाइन भी निकल चुकी है। स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय देने का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर एक आवेदन में स्टेट बैंक ने दलील दी कि प्रत्येक साइलो से जानकारी फिर से प्राप्त करना और एक साइलो की जानकारी को दूसरे से मिलाने की प्रक्रिया में समय लगेगा।

चुनावी बॉन्ड मामले में एसबीआई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गई है। इस याचिका को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स ने दाखिल किया है। दरअसल, एसबीआई को चुनावी बॉन्ड से जुड़ी जानकारी 6 मार्च तक चुनाव आयोग को मुहैया करानी थी लेकिन एसबीआई द्वारा ये जानकारी मुहैया नहीं कराई गई है। इस मुद्दे को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और विपक्षी एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा कि जो पैसा बीजेपी को मिला, हम भी ये जानना चाहते हैं कि आपने इन पैसों से क्या किया? बीजेपी को अकेले 5000 करोड़ से ज़्यादा पैसा आया। एसबीआई इन तमाम बातों का खुलासा करे कि किस पार्टी ने कितना पैसा किसको दिया।

इसके जवाब में मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हम अभी भी ये मानते हैं की ये सबसे ज्यादा पारदर्शी व्यवस्था थी। अगर कोई कहता है कि बीजेपी को ज्यादा पैसा मिला तो यह कुतर्क है, आज से 30-40 साल पहले हम अगर कहते कि कांग्रेस को ज्यादा पैसा मिला तो उसका क्या मतलब था। आज बीजेपी सबसे ज्यादा बड़ी पार्टी है। यह निश्चित है कि केंद्र सरकार के चुनावों में काले धन के जरिए होने वाले भ्रष्टाचार को रोकने के प्रयासों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले झटका लगा है। कोर्ट के बॉण्ड के मामले में दिए गए आदेश के बाद राजनीतिक दल फिर से चुनावी चंदे के नाम पर उद्योपतियों की बांह मरोडने् से बाज नहीं आएंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-38)

गतांक से आगे...

स्वप्नावस्था वह कहलाती है, जिसमें कुछ समय पूर्व देखा गया दृश्य पुनः दृष्टिगोचर न हो और जागने पर उस दृश्य की मनुष्य को स्मृति मात्र शेष रहे। इसके पश्चात् स्वप्न जाग्रत अवस्था वह है, जिसमें पूरे विकास को न प्राप्त हुआ स्वप्न जो अनेक क्रिया-कलापों द्वारा देर तक टिके तथा जो जाग्रत् की तरह ही उत्पन्न हो अथवा जागते हुए भी स्वप्न दिखाई दे। इन छः अवस्थाओं को पारकर जब जीव की जड़ात्मक स्थिति में प्रतिष्ठापना होती है, उस बीते हुए दुःखबोध से युक्त अवस्था को ही सुषुप्ति कहा गया है। उस स्थिति में यह संसार आन्तरिक अंधकार में विलीन हो जाता है।

हे ब्रह्मन्! मैंने तुम्हारे प्रति अज्ञानजनित मोह की सात भूमिकाओं को बतलाया। इसमें से प्रत्येक भूमिका विभिन्न ऐश्वर्ययुक्त, विभिन्न अवस्थाओं के रूप में विविध रूप धारण करने वाली है। हे निष्पाप पुत्र! अब मैं तुम्हें ज्ञान की जो सात भूमिकायें हैं, उन्हें सुनाता हूँ, जिन्हें जान लेने पर मनुष्य मोहपङ्क में नहीं फँसता।

ज्ञानीजनों ने योग भूमिकाओं के बहुविध भेद बतलाये हैं, परन्तु मैं तो इन सात भूमिकाओं को ही विशेष लाभप्रद मानता हूँ। इस प्रकार इन सात भूमिकाओं द्वारा उत्पन्न होने वाला अवबोध ही ज्ञान कहलाता है। इन सात भूमिकाओं के अन्तर्गत होने वाली मुक्ति ज्ञेय कही जाती है।

पहली ज्ञान भूमिका को शुभेच्छा नाम दिया गया है। दूसरी विचारणा, तीसरी तनुमानसी, चौथी सत्त्वापत्ति, पाँचवीं असंसक्ति, छठवीं पदार्थभावना तथा सातवीं तुर्यगा है।

इन भूमिकाओं में पुनः शोकाकुल न होने देने वाली मुक्ति निहित है। अब तुम इन भूमिकाओं का विस्तार सुनो।

क्रमशः ...

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण का संकल्प लें

अमृता गोस्वामी

'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा, सौ साल जीने के उम्मीदों जैसा।' 1972 में बनी 'शोर' फिल्म के गीत की ये लाइनें आज 'विश्व जल दिवस' पर प्रासंगिक हैं। वाकई पानी का महत्व हमारे जीवन में इतना अधिक है कि इसके दम पर हम सौ साल तक भी जीने की उम्मीदें लगा सकते हैं वहीं पानी न मिले तो हम अपने कल को भी सुरक्षित नहीं कह सकते। आज 22 मार्च विश्व जल दिवस है। साल 1993 में संयुक्त राष्ट्र ने 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसका उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के प्रति सतर्क करने और साफ पीने योग्य जल का महत्व समझाने का है।

पानी हमारे जीवन की बुनियादी जरूरतों में से है इसका मूल्य वह लोग अच्छी तरह से जानते हैं जिन्हें पानी सहज उपलब्ध नहीं होता। धरती पर पीने के पानी की उपलब्धता और उससे जुड़े आंकड़ों को देखें तो समझ आता है कि पानी की बूंद बूंद बचाना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र के आकलन के मुताबिक पृथ्वी पर पानी की कुल मात्रा लगभग 1400 मिलियन घन किलोमीटर है, जिसमें से 97.5 फीसदी पानी समुद्र में है जो पीने योग्य नहीं है। मात्र 2.5 फीसदी पानी ही पीने योग्य है जिसमें 1.5 फीसदी बर्फ के रूप में है, 1 फीसदी पानी नदी, सरोवर, कुंओं, झरनों और झीलों में है।

संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट पर मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के हर नौवें व्यक्ति के पास पीने के साफ पानी का अभाव है जिसकी वजह से हर साल लाखों लोग बीमारियों का शिकार होते हैं और उनकी मौत हो जाती है। दुनिया में 2.1 अरब और भारत में करीब 16 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जिन्हें पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है, वहीं 26 करोड़ से ज्यादा लोगों को पानी के लिए 30 मिनट की यात्रा करनी पड़ती है।

एक विश्लेषण के मुताबिक दुनियाभर के 200 शहर और 10 मेट्रो सिटी 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहे हैं। 'डे जीरो' यानि बहुत जल्दी इन जगहों पर वह दिन आने वाला है जब यहां नलों में पानी आना बंद हो जाएगा।

भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 1990 के बाद से भूजल स्तर में काफी तेजी से गिरावट आ रही है। भूजल स्तर यदि इसी रफ्तार से गहरा होता गया तो बहुत अधिक गहराई से जो पानी निकाला जाएगा वह पीने के योग्य नहीं होगा, उसमें आर्सेनिक और फ्लोराइड की अधिकता के चलते बीमारियां बढ़ेंगी।

रिपोर्टस के मुताबिक 2050 तक दुनिया की आबादी 10 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में भविष्य में मौजूदा समय से 30 फीसदी अधिक पानी की जरूरत और होगी, पानी उपलब्ध न होने पर दुनिया के 36 फीसदी शहर पानी की गंभीर समस्या से जूझेंगे। तो दोस्तों, इससे पहले कि वह दिन देखना पड़े कि हम पीने के पानी को भी तरस जाएं, अच्छा है उससे पहले संभल जाएं।

भारत के लिए पुतिन की जीत के मायने

अनिल त्रिगुणायत

दो बातें तो रूस में राष्टपति चुनाव से पहले से तय मानी जा रही थीं- एक, व्लादिमीर पुतिन फिर से राष्टपति निर्वाचित होंगे और उन्हें भारी मतों से जीत मिलेगी तथा दो, यदि पुतिन की जीत होती है, पश्चिमी देश चुनाव को लेकर आलोचना करेंगे। पश्चिम की ऐसी प्रतिक्रिया की वजह यह है कि कुछ समय से, विशेषकर यूक्रेन युद्ध के बाद से, रूस और पश्चिमी देशों में तनातनी बहुत बढ़ गयी है। दोनों खेमे एक तरह से युद्ध की स्थिति में हैं। ऐसे में पश्चिम की आलोचना अपेक्षित है। यह भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि पुतिन को सत्ता से हटाने का पश्चिम का एजेंडा बहुत सालों से चल रहा है। एक प्रकार से पुतिन पश्चिम के विरोध में खड़े आखिरी व्यक्ति हैं। रूस और यूक्रेन का युद्ध रूस एवं पश्चिम के बीच एक छद्म युद्ध का रूप ले चुका है। पश्चिमी नेता लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि पुतिन एक तानाशाह हैं और उनके नेतृत्व में रूस में कोई लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं है। ऐसे में चुनाव परिणाम को लेकर उनकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक है और इसमें कोई नयी बात भी नहीं है। मेरी राय में यह प्रतिक्रिया पश्चिम की कुंठा और क्षोभ का परिचायक है।

इस चुनाव की खास बात यह रही है कि बड़ी संख्या में लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। उल्लेखनीय है कि रूस के लोग बड़े स्वाभिमानी और राष्टवादी हैं। जब देश की सुरक्षा का प्रश्न आता है, तो एकता बहुत सुदृढ़ हो जाती है और लोग वैसी स्थिति में एक मजबूत नेता को सत्ता में देखना चाहते हैं। रूसी इतिहास में ऐसे कई उदाहरण देखे जा सकते हैं। यह बात पुतिन के पक्ष में गयी है और लोगों ने उन पर भरोसा जताया है। रूस में जो दूसरी पार्टियां या उम्मीदवार हैं, उनका वजूद इतना बड़ा नहीं है कि वे पुतिन के सामने गंभीर चुनौती पेश कर पाते। यह भी है कि जो व्यक्ति सत्ता में होता है, तो चुनाव में उसे संस्थागत लाभ मिलता है और वह अपना प्रचार अधिक प्रभावी ढंग से कर पाता है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिम के अनगिनत प्रतिबंधों के बावजूद रूस की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। उसके विदेशी मुद्रा और सोना भंडार में बढ़ोतरी हुई है। रूसी मुद्रा रूबल संतुलित स्थिति में है और लोगों की आमदनी बढ़ी है। आर्थिक प्रतिबंधों से परेशानी तो होती है, फिर भी पुतिन अपने देश को आगे बढ़ाने में सफल रहे हैं। अब यह युद्ध अर्थव्यवस्था है या जो भी है, वह बहस का विषय है, पर सच यही है कि आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है।

यह कहा जा सकता है कि पुतिन विरोधी एक नेता जेल में था और उसकी मौत हुई, जिससे रूस की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। पर यह समझना भी जरूरी है कि दुनिया में लोकतंत्र का जो ब्रिटिश मॉडल है, उसका विरोध अनेक जगहों पर हो रहा है। बहुत से लोग यह कहने लगे हैं कि हर देश की अपनी संस्कृति होती है, लोगों के सोचने-समझने का अलग ढंग होता है, और इसी आधार पर नेता और लोग अपने देश को आगे ले जाने की कोशिश करते हैं। कहने का अर्थ यह है कि हर जगह लोकतंत्र की अपनी परिभाषा है। अनेक देशों में मजबूत नेता सत्ता में हैं। जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दौर में लोकतंत्र को लेकर सवाल उठे, तब पुतिन ने कहा था कि रूस की लोकतांत्रिक व्यवस्था तुलनात्मक रूप से बेहतर है। इन आधारों पर इस चुनाव को देखा जा सकता है। पुतिन को 87 प्रतिशत से अधिक वोट मिले हैं। यह आंकड़ा अविश्वसनीय लग सकता है, पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वहां विपक्ष नाममात्र का है और उसके पास व्यापक जन समर्थन नहीं है। एक तरह से स्थिति यह है कि पुतिन का वहां कोई विकल्प नहीं है।

जहां तक पुतिन की जीत और भारत के साथ रूस से संबंधों की बात है, तो हमारे संबंध बहुत पुराने हैं और हाल के वर्षों में उनमें मजबूती भी आयी है। आज द्विपक्षीय व्यापार 65 अरब डॉलर के आसपास पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच गहरी मित्रता भी है। दोनों देशों के बीच एक अच्छी रणनीतिक साझेदारी भी है। चाहे द्विपक्षीय संबंध हों, या जी-20, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन, संयुक्त राष्ट आदि के मंच और मुद्दे हों, यूक्रेन युद्ध एवं भू-राजनीतिक घटनाओं के बावजूद दोनों देशों के रिश्ते और अच्छे हुए हैं। भारत में यह आकलन लगाने की कोशिशें जरूर हुई हैं कि यूक्रेन से लड़ाई की स्थिति में क्या रूस से पहले की तरह भारत को हथियार और अन्य सैनिक साजो-सामान की आपूर्ति जारी रह सकती है या नहीं। यह भी समझाने का प्रयास हुआ है कि भारत के आत्मनिर्भरता अभियान या मेक इन इंडिया जैसी पहलों में रूस किस हद तक मददगार हो सकता है। दोनों देशों की निकटता का एक बड़ा प्रमाण यह है कि राष्ट्रपति पुतिन अक्सर प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते रहते हैं। वे कहते रहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत शानदार प्रगति कर रहा है और आज के दौर में कोई भी देश उसे दबाव में नहीं डाल सकता है।

इस पृष्ठभूमि में स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी जीत के बाद जो संदेश भारतीय प्रधानमंत्री की ओर से गया है, वह भी परस्पर विश्वास और सहयोग की भावना को प्रतिबिंबित करता है। देशों के राजनीतिक नेतृत्व की निरंतरता से संबंधों को बड़ा आधार मिलता है। राष्ट्रपति पुतिन कम से कम अगले छह साल पद पर रहेंगे और भारत में भी निरंतरता की संभावना है। इसमें भी कोई शक नहीं है कि जब नेतृत्व शक्तिशाली होता है, नीतियों एवं निर्णयों को आगे बढ़ाने के काम में भी गति आती है। ऐसे में आगामी वर्षों में आपसी संबंध और सहयोग में निश्चित ही विस्तार होगा। पश्चिमी देशों के प्रतिकार में मदद के लिए रूस को चीन की आवश्यकता है, पर रूस उसके दबाव में नहीं आयेगा। रूस दुनिया का सबसे बड़ा देश है और पर वहां आबादी बहुत कम है, जिसके कारण उसके सामने मानव संसाधन की समस्या है। अन्य चुनौतियां भी हैं। उसे चीन को संतुलित करने के लिए भी भारत की आवश्यकता है। अगर कभी अमेरिका और पश्चिमी देश तथा रूस के बीच शांति वार्ता एवं समझौते की स्थिति बनती है, तो निश्चित रूप से भारत उसमें एक सकारात्मक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है।

आज का इतिहास

1907 करिमीटर्स के साथ पहले टेक्सी कैब की लंदन में शुरुआत हुई।

1913 फ़ानिश के स्व-घोषित सम्राट फान जिच लॉन्ग को औपनिवेशिक शासक फ्रांसीसी इंडोचाइना के खिलाफ विद्रोह का आयोजन करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जो कि अगले दिन हिसुपोर्टर्स द्वारा चलाया गया था।

1913 वियतनाम के स्व-घोषित सम्राट फान ज़ीच लॉन्ग को फ्रांसीसी इंडोचाइना के औपनिवेशिक शासन के खिलाफ विद्रोह के आयोजन के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसे अगले दिन उनके समर्थकों द्वारा किया गया था।

1920 एज़ेरिस द्वारा शुशा, नागोर्नो-करबाग में एक पोग्रोम ने शहर के अर्मेनियाई आबादी वाले हिस्सों को नष्ट कर दिया।

1923 पहली बार आइस हाकी मैच का रेडियो से प्रसारण।

1923 आइस हॉकी का पहला रेडियो प्रसारण फ़ॉस्टर हेविट द्वारा किया गया।

1933 होलोकॉस्ट-दचाऊ में पहले नाजी कंसेंटकैंप का निर्माण पूरा हो गया था।

1943 द्वितीय विश्व युद्ध- खेटिन इनबेलरस के गाँव की पूरी आबादी को नाजी जर्मन सेनाओं ने जीवित कर दिया था, जिनमें से उतरी यूक्रेनी और बेलारूसी सहयोगियों की भागीदारी थी।

1945 मिस्र, इराक, लेबनान, सऊदी अरब, सीरिया, ट्रांसजॉर्डन, और यमन ने अरब लीग की स्थापना की, जो एक क्षेत्रीय संगठन है जो अरब दुनिया के हितों को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और सामाजिक कार्यक्रमों की सुविधा देता है।

1954 अमेरिका में मिशीगन के साउथफील्ड में पहला शॉपिंग मॉल खोला गया।

1963 प्लीज मी, द बीटल्स द्वारा रिकॉर्ड किया गया पहला एल्बम जारी किया गया था।

1964 कलकत्ता (अब कोलकाता) में पहली विंटेज कार रैली निकाली गई।

1977 श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दिया।

1982 नासा ने अपने अंतरिक्ष यान कोलंबिया को तीसरे मिशन पर लिए रवाना किया।

1984 सबसे लंबे और महंगे आपराधिक मुकदमे में फंसाने वाले राज्यों के इतिहास में क्या होगा, कैलिफोर्निया के मैनहट्टनबेक में मैकमार्टिन पूर्वस्कूली में शिक्षकों पर शैतानी अनुष्ठान के साथ गलत तरीके से आरोप लगाया गया था।

महाराष्ट्र के राजनीतिक 'सर्कस' में सब लगा रहे दांव

सिद्धार्थ शंकर गौतम

लोकतंत्र की पिच पर आम चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां %अबकी बार 400 पार% का नारा आम जनमानस के दिमाग में फिट करके मनोवैज्ञानिक बढ़त बना रहे हैं, वहीं कांग्रेस में चुनाव लड़ने योग्य उम्मीदवारों का टोटा पड़ रहा है। इन सबके बीच 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में राजनीति चरम पर है।

2014 के आम चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा ने शिव सेना के साथ गठबंधन में 23 सीटें जीती थीं जबकि शिव सेना को 18 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस मात्र 2 सीटें जीत पाई थी जबकि शरद पवार की एनसीपी ने 4 सीटों पर परचम लहराया था। 2019 के आम चुनाव में एक बार पुन: भाजपा और शिव सेना गठबंधन ने क्रमश: 23 और 18 सीटें जीतीं।

एनसीपी भी 4 सीटों को बचाने में कामयाब रही जबकि कांग्रेस 2 सीटों में से 1 गवांकर और सिमट गई। उसे विदर्भ की एकमात्र चंद्रपुर सीट से संतोष करना पड़ा जबकि 2014 में कांग्रेस ने मराठवाड़ा में 2 सीटें, नांदेड और हिंगोली पाई थीं।

वर्तमान में मराठवाड़ा के दिग्गज कांग्रेसी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भगवा लहर पर सवार होकर राज्यसभा का टिकट कटा चुके हैं। यानी जिस मराठवाड़ा में अशोक चव्हाण कांग्रेस की लाज बचाते थे, उनका भी साथ अब कांग्रेस के पास नहीं है। हालांकि साथ तो अब उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे भी नहीं हैं और शरद पवार तथा अजित पवार की राहें भी जुदा हो चुकी हैं।

शिंदे और अजित अब एनडीए गठबंधन का हिस्सा हैं वहीं शरद पवार अब भी बची-खुची ताकत के साथ कांग्रेस के साथ खड़े हैं। वहीं अब राज ठाकरे भी बहती गंगा में हाथ धोने के इरादे से भाजपा गठबंधन का हिस्सा बनने की मंशा से दिल्ली दरबार के चक्कर काट रहे हैं। गोयाकि महाराष्ट्र का राजनीतिक %सर्कस% अब अपने चरम पर है और सभी अपने लाभ और हानि का आकलन कर रहे हैं।

अब चुनाव परिणाम ही बताएगा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में मात्र 1.5 प्रतिशत वोट लाने वाली राज ठाकरे की मनसे के साथ आने से भाजपा को कितना और क्या लाभ होगा? हां, भाजपा यदि हिंदुत्व के मुद्दे पर खुलकर खेलना चाहती है तो मनसे को आगे करके वह अपने मन की कर सकेगी। वहीं मनसे को भाजपा के माध्यम से अपने वोट प्रतिशत को बढ़ाने का अवसर मिलेगा किंतु इसका शिंदे गुट की शिव सेना पर क्या असर होगा, इसका अनुमान लगा पाना अभी कठिन है। हालांकि इन सभी कवायदों के बीच सीट शेयरिंग का मुद्दा अभी भी नहीं सुलझा है जिसके कारण महाराष्ट्र की जनता भी भ्रमित है।

06 फरवरी, 2024 को चुनाव आयोग ने जब अजित पवार गुट को %असली एनसीपी% घोषित किया तो अपने राजनीतिक दांव-पेंच से इंदिरा गांधी तक को चौंकाने वाले शरद पवार निश्चित रूप से राजनीति में अपने ही भतीजे से हार गए। एक समय जिन परिस्थितियों में उन्होंने महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी तोड़कर एनसीपी बनाई थी, उन्हीं परिस्थितियों में उनके भतीजे ने उन्हें किनारे करके %चाचा% को राजनीतिक वनवास पर भेज दिया है।

चूंकि इस समय देश में %मोदी लहर% की चर्चाएं आम हैं तो अजित का भाजपा गठबंधन में होना उन्हें लाभ का सौदा दिख रहा है। लाभ की संभावना तो भाजपा भी जता रही है क्योंकि %मराठा% नेतृत्व के न होने से जो हानि उसे महाराष्ट्र में उठानी पड़ती थी, इस बार उसकी भरपाई होने की बात की जा रही है। पश्चिम महाराष्ट्र के पुणे, बारामती, सतारा, मढ़ा, कोल्हापुर जैसे एनसीपी के गढ़ों में यदि अजित पवार का जादू चल जाता है तो भाजपा की मुंह मांगी मुराद पूरी हो जाएगी।

अजित पवार के सहयोग से ही भाजपा इन लोकसभा सीटों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा लेगी। हालांकि पुणे से अभी भाजपा सांसद है किंतु यह लोकसभा भी एनसीपी के प्रभाव क्षेत्र वाली मानी जाती है। वहीं शरद पवार के लिए यह आम चुनाव उनके राजनीतिक जीवन का अंतिम चुनाव हो सकता है और भतीजे द्वारा पार्टी पर कब्जे की सहानुभूति उन्हें कथित राजनीतिक वनवास से निकाल सकती है जिसका सीधा लाभ इंडिया एलायंस को होगा।

कांग्रेस के नीति-नियंता भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं और अजित पवार के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा रहे हैं। साथ ही वे शरद पवार के माध्यम से सहानुभूति कार्ड भी खेल रहे हैं। इस कवायद में भाजपा-कांग्रेस भले ही अपना भला कर लें, सर्वाधिक नुकसान पवार परिवार का होगा क्योंकि उनकी जुदा राहें मतदाताओं को भी जुदा कर देंगी।

अब जबकि शरद पवार गुट को चुनाव आयोग से इलेक्शन सिंबल मिल गया है तो शरद गुट मजबूती से मैदान में उतर चुका है। वहीं शरद गुट को अजित पवार के भाई श्रीनिवास का भी साथ मिला है जिन्होंने शरद पवार को %बूढ़ा है, कमजोर नहीं% कहते हुए अजित के समक्ष परेशानियां पैदा कर दी हैं। संभवत: अब यही नारा शरद गुट के लिए संजीवनी का काम करे।

महाराष्ट्र में यह चुनाव बाल ठाकरे के %असली% वारिस को चुनने का भी चुनाव है। बाला साहब के भतीजे राज ठाकरे की परिवार से जुदा हुई राहों से शिव सेना का उतना नुकसान नहीं हुआ था जितना एकनाथ शिंदे के साथ छोड़ने से हुआ है। वर्तमान में उद्धव ठाकरे के समक्ष परिवार की राजनीतिक विचारधारा को बचाने के साथ ही कांग्रेस से गठबंधन क्यों के प्रश्न का उत्तर देना कठिन होगा।

हालांकि %मराठी मानुष% के नाम पर सहानुभूति उन्हें भी मिलेगी, किंतु यह वोटों में कितनी तब्दील होगी कहना कठिन है। शिंदे-ठाकरे के साथ भाजपा के ऊपर बाला साहब की विरासत के टुकड़े करने का जो दाग लगा है, आम चुनाव उसकी भी सफाई देगा। सत्ता के लिए विचारधारा को तिलांजलि देना या सत्ता के लिए परिवार को छोड़ देना; दोनों का फैसला जनता करेगी। यह भी तय होगा कि %असली% कौन और %नकली% कौन? जो शिव सेना पूर्व में भाजपा के साथ गठबंधन करके सभी सीटों पर अपना परचम फहराती थी, अब एक-एक सीट के लिए दोनों गुट भाजपा-कांग्रेस के ऊपर निर्भर हैं।

सबका साथ-सबका विकास का नरेंद्र मोदी का नारा वास्तविकता में शिव सेना के गुटों पर फिट बैठता है क्योंकि अकेले ये दोनों गुट इतने कमजोर हो चुके हैं कि चुनाव में उतरना इनके अस्तित्व को समाप्त कर देगा। फिर राज ठाकरे का भाजपा के साथ आना भी दोनों गुटों को परेशान करेगा।

राज ठाकरे की मनसे भले ही राजनीतिक रूप से अभी इतनी सक्षम न हो किंतु राज ठाकरे का अपना व्यक्तित्व है जिससे उनकी क्षमताओं को नकारा नहीं जा सकता। इन परिस्थितियों में सर्वाधिक लाभ भाजपा का हुआ है क्योंकि वह छोटे भाई की भूमिका से निकलकर बड़े भाई की भूमिका में आ गई है और बाला साहब ठाकरे की विरासत के निर्णायक दौर में उसके अपने हित छुपे हैं।

देखा जाए तो वर्तमान में महाराष्ट्र की राजनीतिक लड़ाई भाजपा के 400 पार के नारे को चरितार्थ करने के रास्ते में सबसे बड़ा सवाल बनकर खड़ी हुई है क्योंकि जिन दलों को भाजपा ने महायुति का हिस्सा बनाया है, उनका वर्तमान भी हिला हुआ है और भविष्य क्या होगा, यह जनता तय करेगी। फिलहाल तो दोनों ही बड़े गठबंधन अभी सीटों के बंटवारे को लेकर असमंजस में हैं जिसके त्वरित समाधान का रास्ता ही उनकी राजनीतिक स्थिति को बयां करेगा।

महिला मतदाताओं की बढ़ती भूमिका से बदली राजनीति?

मोनिका शर्मा

आगामी लोकसभा चुनावों में भी राजनीतिक दलों की रणनीति से लेकर चुनाव आयोग की योजनाओं तक, महिला वोटर्स की रेखांकित करने योग्य भागीदारी को लेकर गहनता से सोचा जा रहा है। एक ओर राजनीतिक दल आधी आबादी को लुभाने वाली योजनाओं और नीतियों को सामने ला रहे हैं तो दूसरी ओर चुनाव आयोग मतदान में स्त्रियों की रिकार्ड हिस्सेदारी दर्ज़ करवाने की तैयारी में जुटा है। भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा करने के साथ ही महिला मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर भी विशेष प्रयास करने की बात कही गई है। सुखद यह भी है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी की अहमियत समझी जा रही है। हमारे देश की जनसंख्या का करीब आधा हिस्सा महिलाएँ हैं। देश में महिलाओं की आबादी करीब 48.5 प्रतिशत है। बावजूद इसके स्त्रियों की सुरक्षा, सम्मान और श्रम से जुड़े मुद्दों को वह आवाज़ नहीं मिली जो मिलनी चाहिए थी। इसकी एक बड़ी वजह महिलाओं में मताधिकार को लेकर जागरूकता की कमी भी रही। कहना गलत नहीं होगा कि हालिया बरसों में स्त्रियों से जुड़ी योजनाओं और नीतियों को प्राथमिकता दिए जाने का सबसे अहम कारण मतदान को लेकर आई सजगता ही है। अब स्त्रियाँ अपने मताधिकार के मायने गंभीरता से समझने लगी हैं। जबकि पहले घर के पुरुष सदस्य जिसे वोट करते उनका वोट भी उसी प्रत्याशी को जाया करता था। इतना ही नहीं आज मतदान का रिकार्ड बनाने वाली महिलाएं एक समय वोट डालने भी घर से कम ही निकलती थीं। अब सामाजिक-पारिवारिक हालात भी बदले हैं और महिलाओं की व्यक्तिगत सोच भी। परिणामस्वरूप, ना केवल महिलाओं का मतदान प्रतिशत बढ़ा है बल्कि स्त्रियाँ अपने मत को लेकर स्वतंत्र रूप से निर्णय भी कर पा रही हैं। इतना ही नहीं महिलाएँ सामयिक बदलावों और जीवन से जुड़े विषयों को लेकर जागरूक भी हैं। यह समाज और स्त्री जीवन दोनों के लिए सुखद है कि कभी कर्तव्य निर्वहन की सोच तक सिमटी आधी आबादी अब घर के आँगन से लेकर देश के परिवेश तक, अपने अधिकारों की भी समझ रखती है। गौरतलब है कि 2014 के आम चुनावों में भी आधी आबादी ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी दर्ज़ करवाई थी। वर्ष 2024 में होने जा रहे आम चुनावों के लिए चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस बार कुल 96.8 करोड़ वोटर होंगे। इनमें 49.7 करोड़ पुरुष और 47.1 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। पिछले आम चुनावों में महिला मतदाताओं का आंकड़ा 43.1 करोड़ था। आंकड़ों के मुताबिक नई महिला मतदाताओं की संख्या नए पुरुष मतदाताओं के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक है। लोकसभा की 50 सीटें तो ऐसी हैं जहां महिला वोटर्स की संख्या ज्यादा हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक मतदाता सूची में लिंगानुपात सकारात्मक रूप से बढ़ा है। यह बढ़ोतरी देश के जनतांत्रिक ढांचे को आकार देने में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का संकेत भी देती है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के मुताबिक देश में लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 948 महिलाओं का है, जो चुनावी चक्र में महिलाओं की भागीदारी का एक बहुत स्वस्थ संकेत है। ऐसे में रेखांकित करने योग्य बात यह भी है कि भारतीय समाज में महिलाओं के मतदान प्रतिशत का इज़ाफा लैंगिक भेदभाव के मोर्चे पर भी एक बड़ा बदलाव है। लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले हमारे देश में 18वीं लोकसभा के चुनाव में आधी आबादी की यह भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होने वाली है।

बिहार में बड़े भाई की भूमिका में आई भाजपा

समीर चौगांवकर

बिहार में भाजपा ने अपने सहयोगियों के साथ सोमवार को सीटों का बंटवारा कर लिया। सीटों के बंटवारे में नीतीश की पार्टी जदयू को एक सीट कम देकर भाजपा ने यह बता दिया कि बिहार में अब बड़े भाई की भूमिका भाजपा निभाएगी। ठीक पांच वर्ष पूर्व 2019 के लोकसभा चुनाव में नीतीश को बड़ा भाई मानकर भाजपा ने अपनी पांच सीटों वाल्मीकिनगर, झंझारपूर, सीवान, गोपालगंज और गया की कुर्बानी दी थी। लेकिन अब 2024 में जेडीयू से एक सीट ज्यादा लेकर भाजपा ने साफ कर दिया है कि भले ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश हों लेकिन बिहार में सरकार और गठबंधन की कमान भाजपा के पास ही रहेगी। इस बार जेडीयू को अपनी दो जीती हुई सीटें काराकाट और गया की कुर्बानी देनी पड़ी है। हालांकि बदले में एक शिवहर की सीट जरूर जदयू के खाते में चली गई है।

भाजपा ने बिहार के सीट बंटवारे में यह भी साफ कर दिया है कि भले ही रामविलास पासवान की पार्टी और सभी सांसद रामविलास के भाई पशुपतिनाथ पारस के साथ हों, जमीनी हकीकत चिराग के साथ है और एनडीए के लिए अखिल बिहार स्तर पर दलित चेहरा भी वही होंगे। इसी कारण पशुपतिनाथ पारस के मोदी मंत्रिमंडल में मंत्री होने और चार सांसद होने के बाद भी पशुपतिनाथ पारस को बिना सीट दिये चिराग पासवान को पांच सीटे देकर असली उत्तराधिकारी मान लिया। हालांकि चिराग से भाजपा ने नवादा सीट जरूर हासिल कर ली है। मोदी के चार सौ पार की राह में सबसे बड़ा अवरोध बिहार ही था। नीतीश को तेजस्वी से तोड़कर वापस एनडीए में लाना और सीटों के बंटवारे में छोटे दलों को एडजस्ट करने में सफल होकर भाजपा ने बिहार में अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है। पिछले तीन चुनाव से लगातार जीत के नए रिकॉर्ड बनाने वाली एनडीए को मजबूत करने के लिए भाजपा को 2024 में नीतीश कुमार और बिहार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छोटे दलों को साधना जरूरी था।

भाजपा ने मोदी और शाह की रणनीति में इसे बखूबी साधा है। भाजपा की कोशिश हर हाल में बिहार में 2019 के प्रदर्शन को दोहराना है जिसमें 40 में से 39 सीटें एनडीए ने जीती थी और सिर्फ एक किशनगंज की सीट कांग्रेस ने जीती थी। आरजेडी का खाता भी नहीं खुला था। भाजपा जानती है कि बिहार में मोदी कितने भी लोकप्रिय हों और भाजपा का संगठन कितना भी मजबूत हो लेकिन नीतीश के सामाजिक समीकरण के आगे सब धराशायी हो जाता है। बिहार की राजनीति में बीजेपी के लिए नीतीश मजबूरी है। बिहार में नीतीश के साथ दो दशकों से ज्यादा जुड़ा हुआ ईबीसी का वोट बैक भाजपा को सभी सीटें जीतने के लिए जरूरी है। नीतीश के लिए भी लोकसभा चुनाव में भाजपा का साथ जरूरी है। 2014 के चुनाव में मोदी के नाम पर नीतीश एनडीए का साथ छोड़ कर अकेले मैदान में उतरे थे और चारों खाने चित्त हो गए थे। 2914 में जदयू ने 38 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे लेकिन मात्र दो सीट मिली थी। लेकिन भाजपा को जमकर फायदा हुआ। बीजेपी को 22 और भाजपा की सहयोगी रही उपेन्द्र कुशवाह को 3, रामविलास पासवान की लोकजनशक्ति पार्टी को 6 सीटें मिली थी। जबकि 2014 में यूपीए के हिस्से में मात्र 7 सीटें आईं थी। इनमें राजद 4 सीट पर सिमट गई थी तो कांग्रेस दो और एक सीट पर एनसीपी विजयी हुई थी।

बिहार में सीटों के बंटवारे ने बताया कि मोदी की लोकप्रियता के बाद भी भाजपा सीटों के बंटवारे में सामाजिक ध्रुवीकरण की कसौटी पर नजर रखकर इसका गुणा भाग करके सियासी फायदा उठाने में नहीं चूकती है। नीतीश ने बीजेपी का दामन भले ही तीन बार छोड़ा लेकिन भाजपा ने नीतीश को फिर से साथ लेने में जरा भी देरी नहीं की। इस बार मोदी के नेतृत्व में भाजपा का पूरा फोकस ओबीसी, दलित और अति पिछड़े वोट बैंक पर है। राहुल गांधी के लगातार ओबीसी की बात करने और सत्ता में आने पर जातिगत सर्वे करवाने का वादा करने के बाद मोदी इस वर्ग को भाजपा से छिटकने नहीं देना चाहते और इस कारण इस वर्ग को पूरा प्रतिनिधित्व दे रहे हैं। हरियाणा में ओबीसी नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाना हो या इसके पहले मध्य प्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर बिहार और उत्तर प्रदेश के यादव मतदाताओं को संदेश देना हो।

दरअसल भाजपा लोकसभा चुनाव के बाद अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति को भी अभी से ध्यान में रख रही है और उसी हिसाब से बिहार को लेकर फैसले ले रही है। भाजपा की नजर 2025 में बिहार में भाजपा का पहला पूर्ण बहुमत का मुख्यमंत्री बनाने की है। इस कारण भाजपा सभी जातियों और सभी दलों को साधने की रणनीति पर अभी से काम कर रही है। इसका एक नजारा बिहार में दो दिन पूर्व हुए एनडीए सरकार के कैबिनेट विस्तार में देखने को मिला। बिहार में भाजपा ने विभिन्न जातियों को उचित प्रतिनिधित्व देकर पिछड़ा और दलित वर्गों को साधने की कोशिश की है। बिहार में 30 मंत्रियों में 20 मंत्री (लगभग 70 प्रतिशत) दलित, ईबीसी और ओबीसी वर्ग के हैं। यादव और मुस्लिम से मात्र एक-एक मंत्री बनाए गए हैं।

बिहार में एनडीए में सीट बंटवारे के बाद अब एक दो दिन में महागठबंधन में सीटों का बंटवारा होना तय है। तेजस्वी लगातार जनसंपर्क में जुटे हैं और अपनी जनविश्वास यात्रा के साथ जनता का विश्वास हासिल करने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। राजनैतिक विरासत में भले ही तेजस्वी को अपने पिता का बनाया माय (मुस्लिम और यादव) समीकरण का गठजोड़ मिला है लेकिन तेजस्वी इसे अब सिर्फ माय की नहीं, बाप की भी पार्टी बनाने में जुटे है। बाप यानी बहुजन, अगड़ा, आधी आबादी और पूअर यानी गरीब।

बहरहाल एनडीए के टिकट बंटवारे के बाद अब देखना होगा कि कांग्रेस और आरजेडी कैसे सीटों का बंटवारा करते हैं। एनडीए में सीट न मिलने पर पशुपतिनाथ पारस का महागठबंधन में जाना तय है। सन आफ मल्लाह मुकेश साहनी भी तेजस्वी के साथ हाथ मिला सकते हैं। इसलिए इस बार बिहार में नीतीश बनाम तेजस्वी नहीं, मोदी बनाम तेजस्वी की लड़ाई होना तय है।

अपने अस्तित्व बचाने मैदान में उतर रहे हैं कई राजनीतिक दल

नीरज कुमार दुबे

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के लिए इस बार का आम चुनाव खास इसलिए है क्योंकि इसके परिणाम इन दलों के अस्तित्व के बचे रहने या खत्म होने का भी निर्धारण करने वाले हैं। जहां तक कांग्रेस की बात है तो भले वहां गांधी परिवार से अलग अध्यक्ष आ गया हो लेकिन पार्टी अब भी पूरी तरह गांधी परिवार के प्रभाव में काम कर रही है इसलिए तमाम प्रयास करने के बावजूद आगे नहीं बढ़ पा रही है। 2014 से कांग्रेस की हार का और नेताओं के पार्टी छोड़ने का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह अनवरत जारी है। देखा जाये तो पिछले दो लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस एक बार फिर बेहद मुश्किल माने जा रहे चुनाव में उतर रही है। इस चुनाव में उसके सामने अस्तित्व बचाने की कड़ी चुनौती है क्योंकि एक बार उसका मुकाबला एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली शक्तिशाली भाजपा से है। कुछ ऐसी ही चुनौती आम आदमी पार्टी, वाम दलों और कई अन्य क्षेत्रीय दलों के लिए भी है। देखा जाये तो कांग्रेस का आजादी से पहले से लेकर पिछले दशक तक राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा दबदबा था, लेकिन कुछ वर्षों से वह लगातार सिमटती जा रही है। अब वह केवल तीन राज्यों- कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में अपने दम पर सत्ता में है। यही नहीं, इस पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है कि क्या वह 'इंडिया' गठबंधन की अगुवाई का दावा भी कर सकती है। देखा जाये तो केंद्र में नरेंद्र मोदी के रहते पिछला दशक 138 साल पुरानी पार्टी के लिए बहुत मुश्किल भरा रहा। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता के पद के लिए आवश्यक सीटें भी हासिल करने में विफल रही। कांग्रेस नेता पार्टी की गौरवशाली विरासत पर भरोसा करते हुए पतन के

रुकने और फिर से खड़े होने की उम्मीद कर रहे हैं, हालांकि कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। कांग्रेस पार्टी ने पिछले चुनाव में लड़ी गई 421 सीटों में से केवल 52 सीटें हासिल कीं, जिससे 2014 की तुलना में उसकी संख्या में थोड़ा सुधार हुआ जब उसने लड़ी गई 464 सीटों में से 44 सीटें हासिल की थीं। 2014 में 178 के मुकाबले 2019 में 148 कांग्रेस उम्मीदवारों ने अपनी जमानत गंवा दी।

वर्ष 2019 और 2014 के लोकसभा चुनावों में पार्टी के लिए हल्की उम्मीद की किरण यह थी कि उसने अपना मत प्रतिशत लगभग 19 प्रतिशत पर बनाए रखा, जिसे अब वह आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रही है। 2009 में, जब मनमोहन सिंह सत्ता में लौटे थे, तो पार्टी को 28.55 प्रतिशत मत मिले थे।

कांग्रेस में बिखराव का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जो थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। खास बात यह है कि इस बिखराव को रोकने के प्रयास भी नहीं किये जा रहे हैं। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिस दिन शुरू की थी उस दिन से कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या में निरंतर वृद्धि होती रही जोकि यात्रा के समापन के बाद भी जारी है। शायद कांग्रेस इस बात को समझ चुकी है कि परिणाम क्या रहने वाले हैं इसलिए चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरुआत से पहले ही ईवीएम पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

वहीं विपक्ष के अन्य दलों की बात करें तो दिल्ली और पंजाब में सत्तारुढ़ 'आप' ने करीब एक दशक में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया है। वह आगामी लोकसभा चुनावों में अपने राजनीतिक पदचिह्न का विस्तार करने की कोशिश करेगी। हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी भी 'इंडिया' गठबंधन की एक प्रमुख घटक है। पार्टी बड़ी परीक्षा के लिए तैयार है और उसे अपने नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और आबकारी नीति घोटाला मामले में अपने प्रमुख अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खतरे जैसी चुनौतियों से भी निपटना है।

दूसरी ओर, वामपंथी दलों के लिए भी यह लोकसभा चुनाव अस्तित्व बचाने की चुनौती वाला है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने पिछले कुछ चुनावों में अपने प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखी है। वामपंथी दलों में भाकपा अपना राष्ट्रीय दर्जा खो चुकी है और माकपा राष्ट्रीय दल है, लेकिन उसका आधार भी सिकुड़ता जा रहा है। देखा जाये यह लोकसभा चुनाव वाम दलों के भविष्य के लिए भी निर्णायक रहने वाला है।

वहीं राष्ट्रीय जनता दल, भारत राष्ट्र समिति, एआईयूडीएफ, वाईएसआर कांग्रेस, तेलुगू देशम पार्टी, इंडियन नेशनल लोकदल, जननायक जनता पार्टी, पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना और एनसीपी के दोनों गुट, एमएनएफ, जेडपीएम, शिरोमणि अकाली दल, अन्नाद्रमुक, बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव करो या मरो जैसी स्थिति वाले हैं।

चुनावों से निकले जनादेश और उनमें बदलाव

मिहिर एस शर्मा

दुनिया के पांच बड़े देशों में से चार- भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया और पाकिस्तान-में 2024 में या तो चुनाव होंगे या हो चुके हैं। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनाव यानी यूरोपीय संसद के चुनाव भी होने हैं। मैक्सिको, रूस और यूनाइटेड किंगडम सहित दुनिया के कई अन्य बड़े तथा प्रभावशाली देशों में ऐसे चुनाव होने हैं जिन पर सबकी नजर रहेगी। 'लोकतंत्र' शब्द जितना बताता है उससे कहीं अधिक छिपाता है। ये सभी चुनाव एक दूसरे से पूरी तरह अलग हैं। रूस जैसे कुछ देशों में होने वाले चुनाव दुनिया के अन्य हिस्सों में होने वाले चुनावों की तरह ही संस्थागत प्रक्रिया नजर आते हैं लेकिन वास्तव में वे एक निरंतर अधिनायकवादी होती व्यवस्था के अधीन होने वाले चुनाव हैं। अन्य चुनाव मसलन पाकिस्तान में होने वाले चुनावों में शक्तिशाली संविधान से इतर ताकतों का हस्तक्षेप है। भारत में फंड जुटाने से लेकर मीडिया तक एक पक्ष का दबदबा होने के कारण यह कहना मुश्किल है कि हमारे यहां होने वाले स्वतंत्र चुनाव वास्तव में पूरी तरह निष्पक्ष भी हैं। परंतु एक अन्य अंतर है जिस पर विचार करना आवश्यक है- विभिन्न देशों और ब्लॉक का अंतर यानी जहां चुनाव नतीजों का अनुमान लगाया जा सकता है तथा जहां अनुमान नहीं लगाया जा सकता है या दूसरे शब्दों में कहें ऐसे देश और ब्लॉक जो स्पष्ट जनादेश देते हैं तथा दूसरे वे जो ऐसा नहीं करते हैं, उनके बीच का अंतर। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया में इस वर्ष के आरंभ में हुए राष्ट्रपति चुनाव में प्रबोवो सुबिआंतो को 58 फीसदी मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 25 फीसदी मत भी नहीं मिले। यानी यह बात उन्हें शासन करने का स्पष्ट जनादेश देती है। सबसे आशावादी समर्थक भी यह दावा नहीं कर सकते कि नवंबर में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन या डॉनल्ड ट्रंप को ऐसा ही जनादेश मिल सकेगा। सबसे अधिक संभव परिदृश्य यही है कि ट्रंप एक बार फिर राष्ट्रपति बन जाएं लेकिन शायद उन्हें बहुत अधिक मत न मिलें। संघीय स्तर पर अमेरिका तेजी से निष्क्रिय हो गया है क्योंकि वह अब लगातार अपने विजेताओं को सशक्त जनादेश देने में विफल रहता है। इस बीच यूनाइटेड किंगडम में हुए हालिया चुनाव इसके विपरीत चीजें दर्शाते हैं। लेबर पार्टी को इस समय 28 अंकों की अविश्वसनीय बढ़त हासिल है। अगर इसे सीटों में बदलने में कामयाबी मिली तो सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी आगामी संसदीय चुनावों में तीसरे या चौथे स्थान पर सिमट सकती है। ऐसे ही घटनाक्रम में कुछ राजनीतिक दल इतिहास के पन्नों से गायब ही हो गए। कनाडा की कंजरवेटिव पार्टी के सदस्य यानी टोरीज 1993 के घटनाक्रम से भयभीत हैं जब 1980 के दशक से अधिकांश समय देश पर शासन करने वाले प्रोग्रेसिव कंजरवेटिव के खिलाफ 27 फीसदी मत परिवर्तन हुआ था और एक राजनीतिक शक्ति के रूप में उनका पतन ही हो गया था। लेबर पार्टी के नेता सर कीर स्टार्मर के इस बात की चिंता करने की संभावना नहीं है कि उन्हें मिलने वाला जनादेश बड़े सुधारों की शक्ति प्रदान करेगा या नहीं। यूरोपीय संसद का मामला अलग है। यूरोपीय संघ की विधायी संस्था दरअसल यूरोप के प्रति आशंका रखने वालों का एक प्रतिवाद है। जैसा कि यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते के वार्ताकार जानते हैं कि यूरोपीय संसद इस बात के लिहाज से काफी महत्त्वपूर्ण है कि आखिर यूरोपीय किस तरह की रियायतों पर सहमत हो सकते हैं। परंतु कुछ सदस्य देशों की राजनीति में अहम बदलाव के बावजूद यानी फ्रांस, इटली और जर्मनी में धुर दक्षिणपंथ के उभार के बावजूद ताजा चुनाव यही सुझाते हैं कि राजनीतिक चुनाव खुद को खारिज कर सकते हैं और मध्य दक्षिण और मध्य वाम ब्लॉक संसद में पिछले साल की तरह ही सीटें हासिल कर सकते हैं।

रामेश्वरम् करता है हर तरह के पर्यटकों का स्वागत

भारत की गौरवमयी संस्कृति को समेटे हुए रामेश्वरम एक बेहद शानदार जगह है। धार्मिक एडवेंचर नेचर लवर्स मतलब हर तरह के पर्यटकों के लिए ये बेस्ट डेस्टिनेशन है। अगर आप प्राचीन भारत के मंदिर नगर और समुद्र तटों को देखने का शौक रखते हैं तो रामेश्वरम आने का प्लान बना सकते हैं। जहां की खूबसूरती आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। जान लें यहां के आकर्षणों के बारे में।

भारत में भगवान राम से जुड़े कई सारी जगहें हैं, लेकिन रामेश्वरम उनमें से सबसे ज्यादा प्रसिद्ध जगह है। कहा जाता है कि श्रीराम ने यहां भगवान शिव की पूजा की थी। इसलिए इसे राम के ईश्वर यानी रामेश्वरम के नाम से जाना जाता है। कहते हैं कि उस समय पंबन द्वीप भारत भूमि से जुड़ा हुआ था, बाद में यह मुख्य भूमि से अलग होकर एक छोटा द्वीप बन गया। अब यह द्वीप एक रेल-पुल के द्वारा जुड़ा हुआ है, जिसे पंबन ब्रिज कहते हैं। इसी के नजदीक श्रीराम द्वारा लंका चढ़ाई के लिए पुल का निर्माण किया गया था। धनुषकोड़ी नामक इस जगह पर आज भी इसके अवशेष देखने को मिलते हैं। यह एक ऐसी जगह है, जहां धार्मिक लोग ही नहीं, बल्कि प्राचीन भवनों के निर्माण में रुचि रखने वालों की भी भीड़ देखने को मिलती है।

रामनाथस्वामी मंदिर

यह यहां का सबसे खास आकर्षण है। इसका धार्मिक महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि इसे भगवान शिव के पवित्र बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक माना जाता है। यहां दो शिवलिंग है- रामनाथ और विश्वंतर। कहते हैं कि जब श्रीराम ने यहां शिव जी की पूजा के बारे में सोचा तो उन्होंने हनुमान जी को कैलाश पर्वत से शिवलिंग लेकर आने के लिए कहा। उनके लौटने में देर होने पर उन्होंने सीता जी द्वारा बनाए गए रेत के शिवलिंग की पूजा कर ली। बाद में जब हनुमान शिवलिंग लेकर आए, तो रेत के शिवलिंग की जगह उसे स्थापित करने का प्रयास किया गया, लेकिन वह शिवलिंग अपनी जगह से हिला नहीं। तब उसके साथ-साथ दूसरे शिवलिंग को भी विधिवत स्थापित किया गया और श्रीराम ने हनुमान के श्रम का मान रखने के लिए कहा कि यहां हमेशा पहले तुम्हारे द्वारा लाए गए शिवलिंग की पूजा होगी, उसके बाद मेरे द्वारा पूजे गए रामनाथ की। इस परंपरा का पालन आज भी किया जाता है।

पंबन ब्रिज

यह भारत का पहला समुद्री पुल है। रामेश्वरम तक पहुंचने के लिए यही एकमात्र रास्ता है। पंबन ब्रिज 1914 में बनाया गया था। उस समय से 2010 तक मुंबई में सी लिंक बनने तक यह भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल रहा। आप चाहे यहां रेल मार्ग से जा रहे हों या सड़क मार्ग से, दोनों ओर फैला समुद्र का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है।

अब्दुल कलाम आवास

पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद का घर भी यही है। उनके भाई का परिवार अभी भी यहीं रहता है। घर के एक हिस्से को म्यूजियम का रूप दे दिया गया है। यहां उनके जीवन से जुड़ी चीज़ें रखी गई हैं। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक यहां जा सकते हैं।

मन्नार की खाड़ी मरीन नेशनल पार्क

रामेश्वरम से टूटीकोरिन द्वीप तक मरीन नेशनल पार्क है। मन्नार की खाड़ी एक यूनेस्को बायोस्पीयर रिजर्व है। यह रिजर्व अपने समुद्री जैव विविधता के लिए जाना जाता है। समुद्री वनस्पतियां और जीवों की चार हजार से ज्यादा प्रजातियां इसे और ज्यादा खास बनाती हैं।

30 की उम्र से पहले जरूर लें इन एक्टिविटीज का मजा

घूमने के शौकीनों को दुनिया भर में ट्रैवलिंग करना पसंद होता है। घुमक्कड़ों को पसंद होता है कि वह नई जगहों के साथ वहां के कल्चर, खाने और एक्टिविटीज का मजा लें। दुनिया में कई ऐसी जगह हैं जो अपनी सुंदरता से टूरिस्टों को काफी आकर्षित करते हैं। यहां हम कुछ ऐसी एक्टिविटीज के बारे में बता रहे हैं जो आपको 30 साल की उम्र से पहले जरूर कर लेनी चाहिए।

- ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंगः ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग के लिए जा सकते हैं। दोस्तों के साथ इस एडवेंचर को करने का अलग मजा है।
- हरिद्वार में गंगा स्नान- गर्मियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए जा सकते हैं।
- वाराणसी में गंगा आरती- वाराणसी में कई घाट हैं। ऐसे में यहां पर गंगा आरती का खूबसूरत नजारा देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।
- मथूरा में होली- मथुरा की होली दुनियाभर में फेमस है। आप दोस्तों या परिवार वालों के साथ होली पर यहां जरूर जाएं।
- जैसलमेर में डेजर्ट सफारी- भारत में रहकर अगर डेजर्ट सफारी का मजा लेना चाहते हैं तो जैसलमेर बेस्ट है।
- केरल बैकवाटर में कयाकिंग- केरल के बैकवाटर में कयाकिंग करें। खासकर अल्लेप्पी और कुमारकोम जैसी जगहों पर कयाकिंग का एक अलग ही मजा है।
- मेघालय में केविंग- केविंग अब एडवेंचर्स स्पोर्ट्स के रूप में पॉपुलर हो रहा है। झरनों और घने जंगलों के बीच गुफाओं में घूमने के लिए मेघालय बढ़िया जगह है।
- हिमाचल प्रदेश में हेली-स्कीइंग- प्राकृतिक बर्फ में हेली-स्कीइंग का अपना एक अलग ही मजा है। हिमाचल प्रदेश में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो यह यकीनन एक बेहद ही अच्छी एक्टिविटी है।
- कुर्ग में कॉफी- प्रकृति के बीच मौजूद इस हिल स्टेशन में कॉफी के बागानों के बीच आप कॉफी का मजा जरूर लें।
- कश्मीर में हाउस बोटिंग- कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। ऐसे में आप यहां हाउस बोटिंग को एक्सप्लोर करें।
- पुरी में रथ यात्रा- पुरी में रथयात्रा को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। आप भी इस जगह को एक्सप्लोर करने जरूर जाए।
- द्वारका में स्कूबा डाइविंग- साफ पानी के अंदर जाकर समुद्री जीवों को देखना चाहते हैं तो इस जगह पर जरूर जाएं।

क्या आपको पता है भारत के सबसे खूबसूरत गांवों का नाम?

देखते ही करेगा बसने का मन

ऐसे में जरूरी नहीं की हर बार किसी शहर को देखने के लिए ही जाएं बल्कि शहर के आसपास के गांवों को भी एक्सप्लोर किया जा सकता है। यहां हम भारत के उन खूबसूरत गांवों के बारे में बता रहे हैं, जहां आपको एक बार घूमने जरूर जाना चाहिए। इस जगहों को एक बार देखने के बाद मन करेगा कि वहीं बस जाएं।

भारत में घूमने फिरने के कई जगह हैं, हालांकि, ज्यादातर लोग गोवा, शिमला, मनाली जैसी कॉमन जगहों पर ही जाते हैं। लेकिन अगर आपको एक्सप्लोरिंग का शौक है तो आपको नई-नई जगहों पर घूमने जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी नहीं की हर बार किसी शहर को देखने के लिए ही जाएं बल्कि शहर के आसपास के गांवों को भी एक्सप्लोर किया जा सकता है। यहां हम भारत के उन खूबसूरत गांवों के बारे में बता रहे हैं, जहां आपको एक बार घूमने जरूर जाना चाहिए। इस जगहों को एक बार देखने के बाद मन करेगा कि वहीं बस जाएं।

भारत के फेमस गांव

माणा गांव

जब भी भारत के गांवों की बात होती है। माणा गांव का नाम जुबां पर जरूर आता है। आए भी क्यों ना आखिर ये भारत और तिब्बत-चीन सीमा से लगा एक अंतिम गांव है। बद्रीनाथ के पास माणा गांव सबसे अच्छा पर्यटक आकर्षण में शामिल है। यह गांव हिमालय की पहाड़ियों से घिरा हुआ है। यहां के ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और साफ वातावरण आपका मन मोह लेंगे।

खिमसर गांव

राजस्थान के थार मरुस्थल के किनारे बसे इस गांव के बीचों बीच के पानी की झील है। इस गांव के चारों ओर दूर-दूर तक सिर्फ रेत ही रेत है जो इसे खूबसूरत और शांत बनाती है। यहां पर हर साल जनवरी से फरवरी के महीने में नागौर महोत्सव का आयोजना किया जाता है। जिसे देखने दूर-दूर से पर्यटक आते है।

कुट्टनाद गांव

कुट्टनाद गांव आलप्पुषा जिले के बैकवाटर्स के बीच स्थित है। धान की ज्यादा फसल होने कारण इस जगह का नाम 'चावल का कटोरा' भी है। माना जाता है कि यह दुनिया की इकलौती जगह है जहां समुद्र तल से 2 मीटर की गहराई पर खेती की जाती है।

दर्चिक गांव

ये गांव लद्दाख के कारगिल जिले की कारगिल तहसील में स्थित है। ये कारगिल तहसील के 66 आधिकारिक गांवों में से एक है। सुंदर पहाड़, ताजी हवा और यहां के नजारे आपको खुश कर देंगे। दार्चिक पहुंचने के लिए लेह शहर के पश्चिम में ड्राइव करके आर्यन घाटी के गांवों तक पहुंच सकता है।

मलाणा

भारत के सबसे खूबसूरत गांवों में हिमाचल प्रदेश का मलाणा शामिल है। इस गांव पर कई कबीलों का घर है। नेचर लवर्स को ये जगह जरूर पसंद आएगी। यहां ट्रैकर्स भी ट्रैकिंग करने के लिए काफी बड़ी मात्रा में आते हैं।

उत्तराखंड का केदारकांठा ट्रेक है शॉर्ट एंड बजट ट्रिप वालों के लिए बेस्ट ऑप्शन

केदारकांठा बहुत ही शानदार ट्रेकिंग डेस्टिनेशन है जो उत्तराखंड में है। वैसे तो सर्दियों में इस ट्रेकिंग का ज्यादा आनंद आता है लेकिन अगर आप गर्मियों में यहां जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। इस ट्रेकिंग में आपको कई खूबसूरत नजारे देखने को मिलते हैं। यहां ट्रेकिंग का एक अलग ही एक्सपीरियंस है। अगर आप शॉर्ट ट्रिप का प्लान कर रहे हैं तो ये एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

ट्रेकिंग के शौकीन हैं और अभी तक केदारकांठा ट्रेक नहीं किया, तो आप इस मौसम में यहां जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। वैसे तो सर्दियों में केदारकांठा ट्रेक की बात ही अलग होती है। उस दौरान यहां चारों ओर बर्फ ही बर्फ दिखाई देती है, लेकिन कई बार इसी वजह से ट्रैकिंग के दौरान कई मुश्किलों का भी सामना करना पड़ता है। वैसे अभी भी यहां जाने पर आपको घुटनों तक जमी बर्फ मिल सकती है। आसपास की घाटियों के शानदार नजारे ट्रेकिंग के एडवेंचर को और शानदार बनाने का काम करते हैं।

केदारकांठा उत्तराखंड का लोकप्रिय ट्रैकिंग

उत्तराखंड की इस ट्रेकिंग के लिए पूर साल ही सैलानी आते रहते हैं, लेकिन सर्दियों में इनकी संख्या कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। समुद्र तल से लगभग 12500 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारकांठा, गोविंद नेशनल पार्क के अंतर्गत गढ़वाल हिमालय उत्तरकाशी, उत्तराखंड क्षेत्र में स्थित है। केदारकांठा पहुंचने का रास्ता बहुत ही मनमोहक है। सबसे टॉप से सूर्योदय और सूर्यास्त का ऐसा नजारा देखने को मिलेगा जिसे आप कभी नहीं भूल पाएंगे। जिस वजह से यहां इस दौरान सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है। केदारकांठा से हिमालय की 13 चोटियों यमुनोत्री, गंगोत्री, स्वर्गारोहिणी, हिमालय की बंदरपूंछ श्रृंखला, ब्लैक पीक, हर की दून, हिमाचल आदि चार और चोटियां को देखने का मौका मिलता है। केदारकांठा बेस के पास सैलानी स्कीइंग के भी मजे ले सकते हैं।

केदारकांठा ट्रेक की दूरी

केदारकांठा बिगनर्स के लिए ईजी ट्रेक है। लगभग 18 किलोमीटर लंबे इस ट्रेक को पूरा करने में 4 से 5 दिन का समय लग सकता हैं। ये ट्रेक सांकरी गांव से शुरू होता है। जैसे-जैसे सांकरी गांव से केदारकांठा की ओर बढ़ने लगते हैं, बर्फीले रास्ते के चलते ट्रेकिंग थोड़ी मुश्किल होने लगती है।

केदारकांठा ट्रेकिंग के लिए जरूरी तैयारी

बहुत भारी बैग लेकर चढ़ने की कोशिश न करें।
गर्म कपड़े साथ रखना न भूलें।
पहली बार ट्रेक कर रहे हैं, तो गाइड की हेल्प जरूर लें।
मानसून में केदारकांठा जाना बिल्कुल सही ऑप्शन नहीं।
सनस्क्रीन और धूप वाले चश्मे बहुत ज्यादा जरूरी हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सांगली सीट पर शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस आमने-सामने

मुंबई। सांगली लोकसभा सीट को लेकर महाविकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना ठाकरे गुट और कांग्रेस में काफी नाराजगी है। ये नाराजगी सांगली में उद्धव ठाकरे की जनसभा में भी देखी जा सकती है। कांग्रेस ने मिर्जे में उद्धव ठाकरे की सभा में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। एक तरफ जहां कांग्रेस उद्धव ठाकरे की बैठक से नदारद रहेगी, वहीं एनसीपी शरद चंद्र पवार गुट मौजूद रहेगा। तो अब ये देखना अहम होगा कि इस जगह का क्या होगा। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और विधायक विक्रम सावंत को शिवसेना ठाकरे गुट ने सभा के लिए आमंत्रित किया है, लेकिन विधायक विक्रम सावंत ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा स्थिति में सांगली लोकसभा के नतीजे आने तक सभा में न जाने का फैसला किया गया है। हालांकि, एनसीपी शरद पवार गुट ने बैठक में जाने का फैसला किया है। यह जानकारी एनसीपी के शरद पवार गुट के जिला अध्यक्ष संजय बजाज ने दी है।

राजद ने जारी की चार उम्मीदवारों की पहली सूची

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने गुरुवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। राजद ने पहले चरण में मतदान वाली सभी चार सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने गया से कुमार सर्वजीत, नवादा से श्रवण कुशवाहा, औरंगाबाद से अभय कुशवाहा और जमुई से अर्चना रविदास को टिकट दिया है। गौरतलब है कि अभय कुशवाहा, जिन्हें औरंगाबाद से टिकट दिया गया है, हाल ही में नीतीश कुमार की जेडीयू छोड़कर राजद में शामिल हुए थे। बिहार में महागठबंधन के भीतर सीट-बंटवारे की व्यवस्था अभी तक संपन्न नहीं हुई है। हालाँकि, रिपोर्टों से पता चलता है कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव अपने उम्मीदवारों को पार्टी चिन्ह आवंटित कर रहे हैं। बुधवार (20 मार्च) को हुई राजद कार्यकारिणी की बैठक के बाद लालू यादव को आधिकारिक तौर पर सभी फैसले लेने का अधिकार दे दिया गया है।

गया सीट से चुनाव लड़ेंगे पूर्व सीएम जीतन राम मांझी

पटना। हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) के नेता जीतन राम मांझी गया सीट से एनडीए उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गया लोकसभा सीट से एनडीए की हम पार्टी के जीतन राम मांझी चुनाव लड़ेंगे। मांझी हमारे एजेंडे को लेकर जनता के बीच जायेंगे। इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने गया लोकसभा सीट से कुमार सर्वजीत को मैदान में उतारा है। हाई-वोल्टेज लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए ने बिहार में सीट बंटवारे की घोषणा की। बीजेपी नेता विनोद तावड़े ने घोषणा की कि बीजेपी 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि जेडीयू 16 सीटों पर और एलजेपी (रामविलास) पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अतिरिक्त, दो अन्य दल एक-एक सीट पर चुनाव लड़ेंगे, जिसमें हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा एक-एक सीट पर चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा नेता सदानंद गौड़ा ने राजनीति छोड़ने के दिए संकेत

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता डीवी सदानंद गौड़ा ने गुरुवार को घोषणा की कि वह बेंगलुरु नॉर्थ सीट से टिकट नहीं मिलने के बाद चुनावी राजनीति छोड़ने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने से इनकार किया और कहा कि नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनना चाहिए। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी से नाराज हूं क्योंकि चुनाव का टिकट (बेंगलुरु उत्तर सीट से) मेरी जगह किसी और को दे दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि हां, मुझे कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल नहीं होऊंगा। नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनना चाहिए। इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने भी मुझसे पूछा है, बीजेपी के लोगों ने भी पूछा है कि क्या निर्णय लेना है, मैं उचित समय पर निर्णय लूंगा। पूर्व में कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष रह चुके गौड़ा ने सोमवार को कहा कि वह जल्द ही अपनी आंतरिक भावनाओं को साझा करेंगे।

भाजपा ने तीन राज्यों के लिए नियुक्त किया चुनाव प्रभारी

नईदिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को तीन राज्यों में चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए। अनुभवी नेताओं को विशिष्ट भूमिकाएँ सौंपकर, भगवा पार्टी का लक्ष्य अपने चुनाव अभियान को सुव्यवस्थित करना और लक्षित राज्यों में अपनी पहुंच को अधिकतम करना है। पूर्व राज्यसभा सदस्य विनय सहस्त्रबुद्धे को राजस्थान में लोकसभा चुनाव का प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ पार्टी नेता विजया राहतकर और प्रवेश वर्मा को राज्य में सह-प्रभारी बनाया गया है। राजस्थान में बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को हरियाणा में लोकसभा चुनाव का प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र सिंह नागर को प्रदेश में सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के महासचिव अरुण सिंह को आंध्र प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है. उनके साथ उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह को राज्य में सह प्रभारी बनाया गया है।

कांग्रेस का खाता फ्रीज होने पर सोनिया, खरगे, राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस

कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश: सोनिया गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया और राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने के मुद्दे पर जमकर हमले बोले गए। केंद्र सरकार को केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और चुनावी चंदों के मुद्दों पर घेरा गया। खरगे, सोनिया, अजय माकन से लेकर राहुल तक, सभी ने मोदी सरकार को जमकर घेरा।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का असर सिर्फ कांग्रेस पर ही नहीं पड़ रहा है, बल्कि इसका असर हमारे लोकतंत्र को भी मौलिक रूप से पड़ता है। प्रधानमंत्री भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं। पार्टी के खाते में जनता से इकट्ठा किया गया पैसा है। हमारे खातों से पैसे जबरदस्ती छीने जा रहे हैं। हालांकि, इन सब चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी हम अपने चुनाव अभियान को जोर-शोर से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। एक तरफ चुनावी बॉन्ड का मुद्दा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट असंवैधानिक करार दे चुका है। चुनावी बॉन्ड से भाजपा को भारी लाभ हुआ। दूसरी ओर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की वित्तीय स्थिति को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। हम सभी का मानना है कि यह अलोकतांत्रिक है।

राहुल ने कार्रवाई के समय पर सवाल उठाए

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे सभी बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। हम कोई प्रचार नहीं कर सकते, हम अपने कार्यकर्ताओं का समर्थन नहीं कर सकते, हम अपने उम्मीदवारों का समर्थन नहीं कर सकते। हमारे लोग हवाई जहाज तो छोड़िए, रेलवे की यात्रा के लिए भी टिकट नहीं खरीद सकते। यह चुनाव से दो महीने पहले किया गया। एक नोटिस 90 के दशक से आया, दूसरा 6-7 साल पहले; कुल राशि 14 लाख रुपये और सजा हमारी पूरी वित्तीय पहचान। चुनाव आयोग ने भी कुछ नहीं कहा। यहां कोई लोकतंत्र नहीं है। पहले से ही चुनाव लड़ने की हमारी क्षमता को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हम पहले ही एक महीना खो चुके हैं।

राहुल ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाए

जाने की कार्रवाई है। ऐसा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री कर रहे हैं। यह विचार कि भारत लोकतंत्र है, एक झूठ है। आज भारत में कोई लोकतंत्र नहीं है। यह विचार कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, एक झूठ है। भारत के 20त्न लोग हमारे लिए वोट करते हैं और फिलहाल हम किसी भी चीज के लिए 2 रुपये का भुगतान नहीं कर सकते। यह चुनाव में हमें पंगु बनाने के लिए रचा गया है। भले ही आज हमारे बैंक खाते खोल दिए जाए तो भी भारतीय लोकतंत्र को काफी चोट पहुंचाई जा चुकी है।

राजनीतिक दलों को समान अवसर मुहैया हो : मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मौजूदगी में भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। खरगे ने कहा, भाजपा ने कांग्रेस को चुनाव मैदान से हटाने का खतरनाक खेल शुरू किया है। लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है, जब सभी दलों के पास समान संसाधन हों। उन पर किसी एक दल का एकाधिकार न हो। सत्ताधारी पार्टी द्वारा संवैधानिक और न्यायिक संस्थाओं पर प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है। चुनावी चंदा यानी बॉन्ड मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

खरगे ने कहा कि भाजपा के चंदे के खेल ने देश की छवि को ठेस पहुंचाई है। स्वस्थ लोकतंत्र पर प्रश्न उठा है। सर्वोच्च अदालत ने जिस चंदा बॉन्ड को गैर कानूनी कहा, भाजपा सरकार ने उसी के जरिए अपना खजाना भर लिया। देश में विपक्ष को नीचे गिराने का प्रयास हो रहा है। इसके दूरगामी प्रभाव होंगे। लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव लड़ने में जानबूझकर बाधा खड़ी करने का प्रयास हो रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने चुनावी चंदा बॉन्ड से 56 प्रतिशत पैसे हासिल किए हैं। कांग्रेस को 11 प्रतिशत मिले हैं। चंदे के अलावा उनके पास नकदी भी आती होगी, जिसका कोई खाता ही नहीं है। हिंदुस्तान की 70 वर्ष की लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसा कभी नहीं हुआ। आज अधिकांश राज्यों में भाजपा के फाइव स्टार दफ्तर हैं। बतौर खरगे, मैं कहना नहीं चाहता कि भाजपा ने कंपनियों से किस तरह पैसा लिया है। खैर जो भी हो, बहुत जल्द अहम तथ्य देश के सामने आएंगे।

उन्होंने कहा कि अगर देश में निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं तो उन्हें यानी कांग्रेस को बिना किसी रोकटोक के बैंक अकाउंट का इस्तेमाल करने दें। कोई राजनीतिक दल, आयकर के दायरे में नहीं आता। इसके बावजूद कांग्रेस से ब्यौरा मांगा जा रहा है। इस मामले में हम न्यायपालिका के फैसले का इंतजार करेंगे। नेहरू से लेकर अब तक जो कुछ हुआ, वह अप्रत्याशित है। लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, दबाया जा रहा है। भाजपा, पैसे के बलबूते पर एक तरफा चुनाव चाहती है। कांग्रेस पार्टी के खाते फ्रीज किए जा रहे हैं। उन्हें तत्काल रिलीज किया जाए।

.07 प्रतिशत अनियमितता के लिए कांग्रेस पर 106 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया : अजय माकन

मामले में कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि यह सिर्फ नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से कांग्रेस पार्टी के खातों पर हमला नहीं है, बल्कि भारत में लोकतंत्र पर भी हमला है। हर राजनीतिक दल को आयकर से छूट दी गई है तो फिर कांग्रेस पर जुर्माना क्यों लगाया जा रहा है और वह भी चुनाव से ठीक पहले? सजा की इतनी है कि .07त्न अनियमितता के लिए कांग्रेस पर 106त्न जुर्माना लगाया गया। हमारे बैंक खातों से 115 करोड़ रुपये आई-टी और सरकार को ट्रांसफर कर दिए गए।

लोकतंत्र और संस्थाओं के खिलाफ भड़ास निकाल रहे कांग्रेस नेता

खातों को फ्रीज किए जाने के कांग्रेस के आरोप पर भाजपा का पलटवार

नईदिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बैंक खातों को फ्रीज (लेनदेन पर रोक) किए जाने के कांग्रेस के आरोप पर पलटवार किया है। नड्डा ने कहा कि 'ऐतिहासिक हार' की आशंका से उसका शीर्ष नेतृत्व भारतीय लोकतंत्र और संस्थाओं के खिलाफ 'जमकर भड़ास' निकाल रहा है। नड्डा ने आगे लिखा कि कांग्रेस अपनी अप्रासंगिकता का दोष अपनी सुविधा के अनुसार 'वित्तीय परेशानियों' पर मढ़ रही है, वास्तव में उसका दिवालियापन नैतिक और बौद्धिक है, वित्तीय नहीं। कांग्रेस के आरोप पर नड्डा ने लंबा एक्स पोस्ट के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधा है।

जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस को जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और ऐतिहासिक हार के डर से उनके शीर्ष नेतृत्व ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और भारतीय लोकतंत्र और संस्थानों के खिलाफ बयानबाजी की। वे आसानी से अपनी अप्रासंगिकता का दोष वित्तीय परेशानियों पर मढ़ रहे हैं। दरअसल, उनका दिवालियापन आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और बौद्धिक है। उन्होंने कहा कि अपनी गलतियों को सुधारने के बजाय, कांग्रेस अपनी परेशानियों के लिए अधिकारियों को दोषी ठहरा रही है। चाहे आईटीएटी हो या दिल्ली हाईकोर्ट, उन्होंने कांग्रेस से नियमों का पालन करने, बकाया करों का भुगतान करने के लिए कहा है लेकिन पार्टी ने कभी ऐसा नहीं किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जिस पार्टी ने हर क्षेत्र, हर राज्य और इतिहास के हर पल में लूट की हो, उसके लिए वित्तीय लाचारी की बात करना हास्यास्पद है। जीप से लेकर हेलिकॉप्टर घोटाले से लेकर बोफोर्स तक सभी घोटालों से जमा हुए पैसे का इस्तेमाल कांग्रेस अपने चुनाव प्रचार में कर सकती है। उन्होंने वार करते हुए कहा कि कांग्रेस के अंशकालिक नेता कहते हैं कि भारत का लोकतंत्र होना झूठ है - क्या मैं उन्हें विनम्रतापूर्वक याद दिला सकता हूं कि 1975 और 1977 के बीच केवल कुछ महीनों के लिए भारत एक लोकतंत्र नहीं था और उस समय भारत की प्रधान मंत्री कोई और नहीं बल्कि श्रीमती इंदिरा गांधी थीं।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज (लेनदेन पर रोक) किए जाने के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। सोनिया गांधी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। जनता से एकत्रित धन को रोका जा रहा है और हमारे खातों से जबरन पैसा छीना जा रहा है। उन्होंने कहा, इन सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी, हम अपने चुनाव अभियान की प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

आईपीएल का आगाज, आज चेन्नई और बैंगलोर के बीच टक्कर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का आगामी सीजन आज, 22 मार्च से शुरू होने जा रहा है। फैंस शुक्रवार से एक्शन से भरपूर मैचों का लुत्फ उठा सकेंगे। आईपीएल के 17वें सीजन का पहला रोमांचक मैच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आईपीएल 2024 के उद्घाटन मैच में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, एमए चिदम्बरम स्टेडियम की पिच की प्रकृति को देखते हुए, यह उम्मीद की जाती है कि गेंदबाज़, विशेषकर स्पिनर के लिए परिस्थितियां अधिक अनुकूल होंगी। बल्लेबाजों के लिए अपने शॉट्स आसानी से खेलना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। पिछले आईपीएल सीजन में चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में पहली पारी में औसतन 170 रन बने थे। ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, टॉस जीतने वाली टीमें इस मैदान पर पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुनती हैं।

बैंगलोर टीम- कैमरन ग्रीन, विराट कोहली, अल्ज़ारी जोसेफ, ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डु प्लेसिस, मोहम्मद सिराज, दिनेश कार्तिक, यश दयाल, अनुज रावत, विल जैक्स, लॉकी फर्ग्यूसन, रीस टॉपले, मयंक डागर, टॉम कुरेन, महिपाल लोमरोर, राजन कुमार, कर्ण शर्मा, सुयश प्रभुदेसाई, मनोज भंडागे, आकाश दीप, सौरव चौहान, हिमांशु शर्मा, स्वप्निल सिंह, विशाल विजयकुमार, रजत पाटीदार।

चेन्नई टीम- एमएस धोनी (कप्तान), मोइन अली, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हंगरगेकर, रवींद्र जड़ेजा, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, मथीशा पथिराना, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मिशेल सेंटनर, सिमरजीत सिंह , निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, महेश थीक्षाना, रचिन रवींद्र, शार्दुल ठाकुर, डेरिल मिशेल, समीर रिज़्वी, मुस्तफिजुर रहमान, अवनीश राव अरावली।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 540 अंक चढ़ा निफ्टी 22 हजार के पार

नईदिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के इस साल ब्याज दरों में तीन बार कटौती के अनुमान के बाद वैश्विक बाजारों के आई तेजी के चलते भारतीय शेयर बाजार आज जोरदार उछाल के साथ बंद हुआ। लगातार दूसरे दिन चढ़ते हुए तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 539.50 अंक या 0.75 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 72,641.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 780.77 अंक तक चढ़ा गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 172.85 अंक या 0.79 फीसदी का उछाल लेकर 22 हजार के स्तर को पार करते हुए 22,011.95 अंक के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी का शेयर सबसे ज्यादा 3.55 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी आज हरे निशान में क्लोज हुए।

अगले हफ्ते दो दिन शेयर बाजार में नहीं होगा कामकाज

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के अंत में पड़ने वाले वीकेंड के अलावा त्योहारों और छुट्टियों के कारण मार्च के अंत में कुछ दिनों के लिए बंद रहेगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 25 मार्च को होली के कारण और 29 मार्च को गुड फ्राइडे के कारण कामकाज नहीं होगा। इन दोनों प्रमुख बाजारों में इन दो तारीखों पर इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग सेगमेंट में कारोबार बंद रहेगा। एक्सचेंजों की तरफ से जारी अवकाश कैलेंडर के अनुसार, करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट भी 25 और 29 मार्च को बंद रहेगा। हालांकि, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स सेगमेंट में आंशिक रूप से छुट्टी से रहेगी। होली पर 25 मार्च को सुबह का सेशन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेगा।

भारत का कोयला आयात बढ़कर 21.22 करोड़ टन हुआ

नईदिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में देश में कोयला आयात सालाना आधार पर 1.65 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 21.22 करोड़ टन हो गया है। अंतरव्यापारिक ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की इसी अवधि में भारत का कोयला आयात 20.87 करोड़ टन था। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले के आयात की मात्रा 13.64 करोड़ टन थी, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान आयातित 13.69 करोड़ टन से थोड़ा कम है। अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 4.73 करोड़ टन था, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 4.60 करोड़ टन से अधिक है। प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के माध्यम से जनवरी में कोयला आयात बढ़कर 1.98 करोड़ टन हो गया।

ईस्टर संडे के बावजूद 31 मार्च को खुले रहेंगे बैंक

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऐलान किया है कि सरकारी लेनदेन में शामिल सभी बैंक 31 मार्च, 2024 को खुले रहेंगे। इसका मतलब है कि बैंक ईस्टर रविवार के दिन भी खुले रहेंगे, जो ईसाई समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण उत्सव है। बता दें कि आरबीआई का निर्देश केंद्र सरकार के उस अनुरोध के जवाब में आया है जिसमें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सभी सरकारी प्राप्तियों और भुगतानों का हिसाब वित्त वर्ष 2023-24 के भीतर किया जाए। रविवार को बैंकों के बंद होने से सरकारी खातों को अंतिम रूप देने में एक चुनौती पैदा होती है। खासकर जब यह वित्त वर्ष के समापन के साथ मेल खाता है। आरबीआई के इस फैसले का उद्देश्य महत्वपूर्ण वित्त लेनदेन के ट्रांसेक्शन में किसी भी संभावित देरी को रोकना है, जिससे नए वित्त वर्ष में सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित हो सके।

स्थानीय नवाचार पर जोर देने का वक्त

अजय कुमार

विकसित भारत के लक्ष्य ने भारत के सामने एक चुनौतीपूर्ण एजेंडा पेश किया है। इसका एक अहम पहलू है प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय को मौजूदा 3,348 डॉलर से बढ़ाकर 14,000 डॉलर पहुंचाना तथा देश को निम्न मध्य आय वाले देश से उच्च आय वाले देशों की श्रेणी में ले जाना।

बहरहाल अगर भारत ने 2047 तक यह लक्ष्य हासिल नहीं किया तो उसके समृद्ध होने से पहले ही उम्रदराज होने का भी खतरा है। उस समय तक देश की 14 फीसदी आबादी 65 वर्ष या उससे अधिक आयु की हो जाएगी। भारत की वार्षिक वृद्धि को 10 से 12 फीसदी से अधिक करना होगा जबकि फिलहाल यह छह या सात फीसदी से अधिक नहीं है। ऐसा करके ही हम मध्य आय के उस जाल से बच सकेंगे जिसमें मलेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे देश उलझ गए थे। दक्षिण कोरिया अपनी प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय को 1983 के 2,130 डॉलर से बढ़ाकर महज 25 वर्षों में 23,860 डॉलर करने में कामयाब रहा। ऐसा उसने इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन और रक्षा क्षेत्र में अहम पेशकश की बदौलत किया।

तकनीक आधारित ज्ञान वाली अर्थव्यवस्था में किसी उत्पाद की बौद्धिक संपदा उसके मूल्य में आधा योगदान करती है और केवल विनिर्माण के दम पर मूल्य निर्माण की बराबरी कर पाना चुनौतीपूर्ण होता है। चीन ने इस हकीकत को पहचान कर अपनी राह बदली और अब उसका लक्ष्य 2050 तक नवाचार में अगुआ बनने का है। भारत को भी विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए 'मेक इन इंडिया' से आगे बढ़कर 'मेक प्रॉडक्ट इन इंडिया' की दिशा में काम करना होगा। नई रणनीति

कोविड-19 के दौर से तथा रक्षा क्षेत्र से अंतर्दृष्टि हासिल कर सकती है।

पहली बात, शोध एवं विकास कार्य को सरकारी क्षेत्र से परे ले जाने की आवश्यकता है। वैसे ही जैसा अंतरिक्ष और ड्रोन के क्षेत्र में किया गया। हमें परमाणु ऊर्जा और गहरे समुद्र के खनन को इस सूची में शामिल करना होगा। इसके लिए सरकार को बढ़चढ़कर यह प्रयास करना होगा कि पुराने सरकारी संस्थान निजी क्षेत्र के प्रवेश को बाधित न करें। रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र को 2001 में इजाजत दे दी गई थी लेकिन महत्त्वपूर्ण भागीदारी 2018 के बाद सामने आई जब मेक-2 और आईडेक्स योजनाओं ने आकार लिया तथा स्वदेशी हल बहुत कम लागत और समय में तैयार होने लगे।

उद्योग जगत से इनस्पेस जैसे नियामक के निर्माण ने भी सहायता की। प्रतिस्पर्धा को सार्थक साझेदारी में बदलने से भी कामयाबी हासिल हुई। उदाहरण के लिए कोविड महामारी के दौरान राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान ने सार्स-कोव-2 वायरस को अलग-थलग किया और उसे भारत बायोटेक के साथ साझा किया। इससे कोवैक्सीन का निर्माण हो सका जिसे कुछ ही महीनों में वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध कराया जा सका। एक अन्य विकल्प है निजी-सरकारी भागीदारी जिसने अधोसंरचना क्षेत्र में बड़ी कामयाबी दिलाई है। शोध एवं विकास को उपयुक्त ढंग से संशोधित किया जा सकता है।

दूसरा, 'नवाचार की सुगमता' को नया मंत्र बनाना चाहिए। इसके लिए नियामकीय ढांचे में बदलाव की आवश्यकता होगी। यह स्वीकार करना कि नवाचारी उत्पाद मौजूदा मानकों और नियमों को चुनौती दे सकते हैं। नियामकों को नवाचार को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसे भी महामारी के दौरान बल मिला जब नियमों के तहत आपात इस्तेमाल की मंजूरी न होने के बाद भी सरकारों ने टीकों के सीमित इस्तेमाल की इजाजत दी। जेनेटिक बदलाव को लेकर समीक्षा समितियों द्वारा नियामकीय मंजूरी महीनों या सालों के बजाय दिनों में दी गई। आईडेक्स में भी ऐसा ही देखने को मिला। कठोर अनुपालन और विशेष मांगों के बजाय सशस्त्र बलों ने व्यापक जरूरतों के आधार पर विशिष्टताओं को अपनाया और डेवलपरों को संभालने के लिए एक परियोजना सुविधा टीम की स्थापना की।

भाजपा प्रवेश का दौर लगातार जारी, आज फिर सैकड़ों की संख्या में लोगों ने किया भाजपा प्रवेश

सभी अब मोदी के सिपाही बनना चाह रहे ,भाजपा की राष्ट्र सेवक- नितिन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज भाजपा प्रदेश सह प्रभारी एवं बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद सुनील सोनी, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, रामू रोहरा, भरत लाल वर्मा , भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, प्रितेश गांधी के उपस्थिति में धमतरी के पूर्व विधायक के सुपुत्र सहित सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं अन्य लोग भाजपा में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भाजपा प्रवेशित लोगों को पार्टी का गमछा पहना कर उनका स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ भाजपा सह प्रभारी नितिन नबीन ने भाजपा प्रवेश करने वाले लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबका भारतीय जनता पार्टी में स्वागत है, अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ काम करने वाली पार्टी है। भाजपा सरकार तीन विषयो को आधार मानकर काम करती है। हर गरीब तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाना, देश की सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखना,देश का परचम ,विश्व भर में लहराना ।उन्होंने कहा कि केंद्र में जब मोदी जी की सरकार बनी तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि उनकी सरकार गरीबों को समर्पित सरकार होगी, और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ हर तबके के लोगों को मिले इस दिशा में कार्य करेगी। देश की गरीब जनता के लिए प्रधानमंत्री अन्न योजना, वैक्सीन, आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न योजनाओं का संचालन केंद्र की मोदी सरकार कर रही है और गरीबों को इसका लाभ भी मिल रहा है। पिछले 10 वर्षों से भाजपा की सरकार लगातार गरीबों के हित के लिए और उनके उत्थान के लिए कार्य कर रही है,आज हर कोई मोदी जी का सिपाही बनना चाहता है आप सभी का भारतीय जनता पार्टी में स्वागत है।

कांग्रेस डूबती नाव अब लोग जान बचाकर भाग रहे है - अरुण साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने भाजपा प्रवेश करने वाले लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज किसी मीडिया की खबर पर नजर डालें यही वातावरण दिखता है कि भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का सिलसिला चल पड़ा है। इस बात को समझने की आवश्यकता है आखिर यह सिलसिला क्यों चल रहा है? विपक्षी अलग-अलग प्रकार की बाते बोलते हैं पर वास्तविकता यह है कि पिछले 10 वर्षों में देश की दशा और दिशा जो बदली है यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व से हुआ है। लोगों को लगता है कि दुनिया में भारत का मान, सम्मान और गौरव बढ़ना चाहिए और वह काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बिना रुके बिना थके , कर रहे हैं। लोगों को लगता है कि उनके सपने सरकार हो रहे हैं वह जैसा भारत चाहते थे वैसे भारत का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कर रहे हैं। हर भारतीय कह रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़कर नरेंद्र मोदी जी के हाथ को मजबूत करना है। इसलिए लोग लगातार भारतीय जनता पार्टी में आ रहे हैं। हम सब मिलकर अपने देश को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने का काम करेंगे आज छत्तीसगढ़ में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, विष्णुदेव साय जी की नेतृत्व में सरकार के 100 दिन पूरे हुए हैं। मोदी जी की एक-एक गारंटी को चुन-चुन का पूरा करने का काम भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार कर रही है। हिंदुस्तान में रिकॉर्ड होगा कि कोई राज्य सरकार अपने 100 दिनों के कार्यकाल में इतना बड़ा काम कर पाई होगी। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, 12 लाख किसानों के खाते में 3,716 करोड रुपए बोनस की राशि डालने का काम और 24 लाख 70 हजार किसानों के खाते में 13,320 करोड़ रूपए अंतर की राशि डालने का काम बीजेपी की सरकार ने किया है। तेंदूपत्ता संग्रहको को 4000 की जगह 5500 प्रति मानक बोरा देने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश के 70 लाख माता एवं बहनों के खातों में 1,000 रूपए देने की शुरुआत भाजपा की सरकार में कर दी है। यह सब केवल 100 दिनों में हुए हैं छत्तीसगढ़ में उत्साह बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ महतारी का वंदन हो अभिनंदन हो और गौरव बढ़े इस दिशा में विष्णु देव साय जी की सरकार काम कर रही है। इस दौरान 2 बार के पूर्व विधायक केसरीमल जी के सुपुत्र व कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव राजेंद्र कुमार लुंकड़, ,धमतरी के रोटरी क्लब अध्यक्ष अजय गोयल, रजत कुमार लुंकड़, प्रदीप अग्रवाल, सलद अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष रोटरी का धमतरी, अमित महावर, सत्येंद्र शर्मा, रवि दोषांत, अजीत खंडेलवाल, अभिषेक गोयल, मनोज कोठारी, हर्षित गांधी, अविनाश यादव, देवेश पवार, पुरुषोत्तम यादव, विनय साहू, कृष्ण कुमार यादव, पुरुषोत्तम सिंह, कमल साहू, आकाश शर्मा, भागवत प्रसाद धृतलहरे सेवा निवृत्त कार्यपालन अभियंता, खेमलाल सोनवानी, उत्तम कुमार टोडर, हेमचंद सोनवानी, बालकृष्ण मारकंडे, राजकुमार सोनवानी, विजय कुमार टोडर, अरुण कुमार धृतलहरे, विष्णु मारकंडे, संजुक भारती, चंद्र प्रकाश जोशी, बल्ला भारती, मोहित सोनवानी, सुमित कुमार टोडर, गैंदलाल टोडर, चंद्र दत्त जोशी, करण धृतलहरे, किरण बारले, दिलीप कुमार टोडर, योगेश्वर टोडर, आदित्य कुमार, राकेश गायकवाड, जितेंद्र कुमार, श्रीमती कामिनी गेन्दरे, लालपुर वार्ड क्रमांक 55 मितानिन महिला समिति से मितानिन मीना साहू, सती साहू, कांति साहू, प्रमिला, कौशल्या, उर्मिला तिवारी, गीता यादव, घसनीन, कावेरी, प्रेमवती पांडे, मनीषा, मितानिन ममता साहू, प्रेमलता, पूर्णिमा, हेमलता, गौरी, मोहनी, रेखा, दुर्गा, लक्ष्मी, होम बाई, गायत्री, मितानिन कुमारी धीवर, चंद्र किरण साहू, फुलेश्वरी साहू, उर्वशी साहू, धनेश्वरी साहू, टिकेश्वरी साहू, भारतलीन साहू, दुश्मत साहू, सुमित्रा साहू, पार्वती साहू, सहित सैकड़ो की संख्या में लोगों ने भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

3 महीने में बहुत काम किया, आगे भी करेंगे- साय

मोदी के पिटारे में अभी प्रदेश के विकास के लिए बहुत कुछ है

रायपुर। 3 महीने में हमने प्रदेश के हित के लिए बहुत कुछ किया है और आगे भी करेंगे, मोदी जी के पिटारे में अभी प्रदेश के विकास के लिए बहुत कुछ बाकी है। यह बात लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने बस्तर लोकसभा प्रवास के दूसरे दिन चित्रकोट विधानसभा सीट के अन्तर्गत बड़ेधाराउर गांव में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही और पिछली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला।

विधानसभा चुनाव में चित्रकोट में भाजपा को दिए गए पूर्ण समर्थन के लिए उपस्थित जनता को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विष्णुदेव साय ने लोकसभा चुनाव में भी डबल इंजन की सरकार के लिए जनता से समर्थन मांगा। कांग्रेस पार्टी को घेरते हुए श्री साय ने उसे आदिवासियों का विरोधी और विकास विरोधी

कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा

बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया, उनके विकास के लिए कुछ भी नहीं किया। भाजपा और मोदी सरकार ने आदिवासियों के हित के लिए जो योजनाएं बनाईं, उसके लिए जो पैसा बस्तर संभाग को भेजा उसे कांग्रेस की सरकार ने रोक दिया और बस्तरवासियों को मोदी सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित कर दिया। लेकिन बस्तर के मेरे भाइयों-बहनों को अब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। अब देश-प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, बस्तर के विकास में कोई भी कमी नहीं होगी। तेंदूपत्ता संग्राहकों से 5500 रूपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता को खरीदेंगे, इसकी घोषणा मैंने कर दी है। कांग्रेस की सरकार में केवल 1-2 दिन ही तेंदूपत्ता की खरीदी होती थी, लेकिन हमारी भाजपा सरकार 15 दिनों तक तेंदूपत्ता की खरीदी करेगी। आदिवासियों के लिए चरण पादुका योजना पुनः शुरू की जाएगी। सीएम साय ने आगे कहा कि मात्र 3 महीने में हमने बहुत काम किया है और आगे भी करेंगे। मोदी जी के पिटारे में अभी छत्तीसगढ़ के विकास के लिए बहुत कुछ है। अभी आदिवासियों के लिए हमारी सरकार को बहुत कुछ करना बाकी है इसलिए इस बार बस्तर लोकसभा में परिवर्तन करना है और भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप को भारी मतों से चुनाव जिताकर संसद में भेजना है। अपने सम्बोधन के अंत में सीएम साय ने उपस्थित जनता से भाजपा के पक्ष में वोट की अपील करते हुए जनसभा में भारी संख्या में आए क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

पिक्चर क्लियर है, जनता भाजपा के साथ- श्रीवास्तव

कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा भूपेश बघेल की सीट बदलने की मांग पर प्रदेश भाजपा महामंत्री ने तंज कसा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा राजनांदगांव लोकसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बदलने की मांग करते हुए कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखे जाने पर तंज कसते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जिन्होंने पांच साल प्रदेश के मुखिया के रूप में काम किया है। उनके लिए एक आम कांग्रेस के कार्यकर्ता द्वारा कांग्रेस के राष्टीय नेतृत्व को टिकिट बदलने के लिए पत्र लिखना भूपेश बघेल की राजनीतिक स्थिति क्या है, इसको दर्शाता है। एक प्रत्याशी के रूप में चुनाव का क्या परिणाम आएगा एक कार्यकर्ता इसकी चिंता कर रहा है और इस बात पर मुहर लगा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस का कार्यकाल इस प्रदेश में कैसा रहा है। एक जबर्दस्त वातावरण कांग्रेस के खिलाफ है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जिसने तीन माह पहले अपना कार्यकाल छोड़ा है। उसके खिलाफ न केवल राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में बल्कि पूरे प्रदेश में खिलाफत का माहौल है। निश्चित रूप से कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व इस बात को संज्ञान में लेगा। पहले कहा जाता था - भूपेश है तो भरोसा है,पर आज एक आम कांग्रेस कार्यकर्ता ने इसकी असलियत सामने रख दी। जनता के बीच में कांग्रेस की क्या स्थिति होगी इस बात को समझा जा सकता है। कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं का सामना आज ठीक से नहीं कर पा रही है। कार्यकर्ता कोई प्रश्न करता है उसका निरकारण कैसे होगा। कांग्रेस इतनी कमजोर कैसे हो गई उन्होंने तो उस कार्यकर्ता को पहचानने से इनकार कर दिया। कांग्रेस का कार्यकर्ता राजनांदगांव लोकसभा में किस मूड में बैठा है और किस तरह उनकी खिलाफत करेगा यह परिणाम अपने आप सामने आएगा। दुर्भाग्य की बात है कि पहले परदे के पीछे बात होती थी आज कार्यकर्ता भरे मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री के सामने अपनी नाराजगी जता रहे है। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि पहले हेराफेर का आरोप लगा अब टिकिट बदलने की मांग हो रही है। पिक्चर क्लियर है। जनता भाजपा के साथ है और हम आज सरकार में हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हालत काफी नाजुक हो गई है। भ्रष्टाचार और घोटाले में आकंठ तक डूबी कांग्रेस किस मुंह से मतदाताओं से वोट मांगे, कांग्रेस को खुद समझ नहीं आ रहा है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

भाजपा को अपने नेताओं कार्यकर्ताओं के ऊपर भरोसा नहीं

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा को अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के ऊपर भरोसा नहीं है इसीलिए दूसरे दल के लोगों को शामिल करा रहे हैं. भाजपा को लोकसभा चुनाव में करारी हार दिख रही है, क्योंकि भाजपा के कार्यकर्ता भी मोदी सरकार से खुश नहीं हैं। मोदी सरकार की वादा खिलाफी जुमालाबाजी ड्रामेबाजी और मन की बात से हताश और परेशान है। भाजपा खुद को विश्व का सबसे बड़ा पार्टी होने का ढिंढोरा पीटती थी आज उनकी हालत पतली है. भाजपा के नेता और कार्यकर्ता देख रहे हैं की कैसे दूसरे दल के लोग भाजपा में आते हैं राज्यसभा के सदस्य बन जाते हैं। लोकसभा विधानसभा की टिकट प्राप्त करते हैं केंद्र सरकार में मंत्री मुख्यमंत्री राज्यपाल बन जा रहे हैं और भाजपा के विचारधारा से वर्षों से जुड़े नेता और कार्यकर्ता मुंह ताकते रहते हैं। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के बड़े नेता सोशल मीडिया में भाषणों में लाख मोदी सरकार के पक्ष में कसीदे पढ़े लेकिन सच्चाई भाजपा के कार्यकर्ता महसूस कर रहे हैं और देख भी रहे है कि मोदी सरकार बनने के बाद देश में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ी है. अच्छे दिन का वादा पूरा नहीं हुआ है 15-15 लाख पर खाता में आएंगे.

चोरी की गाड़ी में फर्जी नंबर लगाकर बुजुर्ग महिलाओं को बनाते थे शिकार

रायपुर। राजधानी में चेन स्नेचिंग और वाहन चोरी करने वाले गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है. पुलिस ने शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आधा दर्जन से अधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले एक अंतर्राज्यीय समेत 3 आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी अधिकतर बुजुर्ग महिलाओं को अपना शिकार बनाते थे. घटना को अंजाम देने वाले आरोपी के साथ-साथ संरक्षण देने वाले को भी गिरफ्तार किया गया है. आरोपी घटना को अंजाम देने के पहले खुद की पहचान छिपाने के लिए अपना चेहरा ढ़कने के साथ ही वाहन में फर्जी नंबर प्लेट लगाते थे. आरोपियों के कब्जे से 5 नग सोने की चैन, 2 नग सोने की अंगूठी वजन लगभग 10 तोला 7 ग्राम जब्त किया गया है. घटना में प्रयुक्त चोरी की पल्सर बाइक, एक्टिवा और एक्सेस को भी जब्त किया गया है. जब्त मशरूका की कीमत लगभग 10 लाख 16 हजार 900 रूपये है. जनकारी के अनुसार, लगातार हो रही चेन स्नेचिंग और वाहन चोरी की घटनाओं पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना सिविल लाइन पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया.

ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की सुविधा

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ियों में अतिरिक्त कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा की उपलब्धता से इन गाड़ियों में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे गाड़ी संख्या 22867/22868 दुर्ग निजामुद्दीन एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-03 कोच की सुविधा 22 मार्च को उपलब्ध रहेगी । गाड़ी संख्या 18241/18242 दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा 22, 23, 24 मार्च 2024 को उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 08793/08794 दुर्ग पटना होली स्पेशल एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा 22, मार्च 2024 को उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 08795 /08796 दुर्ग छपरा होली स्पेशल एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा 22 मार्च 2024 को उपलब्ध रहेगी।

पुलिस ने फिर पकड़ा रायपुर में 6 लाख 78 हजार कैश

रायपुर। चेकिंग के दौरान 6 लाख 78 हजार रूपये नगदी रकम जप्त किया गया है। मंदिर हसौद क्षेत्रांतर्गत स्थित टोल नाका पास थाना मंदिर हसौद पुलिस एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक कार को चेक करने पर कार में नगदी रकम रखा होना पाया गया। टीम के सदस्यों द्वारा कार में सवार व्यक्ति से नगदी रकम के संबंध में पूछताछ करने एवं परिवहन करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा नगदी रकम के संबंध में किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कियाा गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा व्यक्ति के कब्जे से नगदी रकम 6,78,580/- (छः लाख अठत्तर हजार पांच सौ अस्सी रूपये) थाना मंदिर हसौद में जप्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा गठित कमेटी में भेजा जा रहा है।

मौदहापारा में हुए विवाद के बाद थाना पहुंचे विधायक मिश्रा

रायपुर। बीते दिनों मौदहापारा क्षेत्र में हुए विवाद को लेकर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा गुरुवार को मौदहापारा थाना पहुंचे. जहां उन्होंने घटना की जानकारी मांगी. साथ ही उन्होंने फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए. इसके बाद वे विवाद में गंभीर रुप से घायल हुए नाबालिग से मिलने के लिए अस्पताल पहुंचे.

बता दें कि बुधवार को मौदहापरा इलाके में कुछ बदमाशों ने नाबालिग पर जानलेवा हमला कर दिया था. इस मामले में पीड़ित रवि रक्सेल के पिता राज रक्सेल ने मौदहापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपयों के खिलाफ धारा 341,147, 148, 149, 307, 294, 323, 506 के तहत अपराध दर्ज किया है.

कांग्रेस के प्रत्याशी को लेकर कांग्रेस पर कसा तंज

पायलट की लैंडिंग के बाद भी विदाउट टिकट है कांग्रेसी: कौशिक

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के प्रत्याशी चयन को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब तक अपना प्रत्याशी नहीं ढूंढ पा रही है। पूरे देश सहित छत्तीसगढ़ में भी एक ऐसा वातावरण बना है कि कांग्रेस पार्टी के हांथ पांव फूल गए हैं। यही वजह है कि आज कांग्रेस यह तय नहीं कर पा रही है कि छत्तीसगढ़ से किस नेता को चुनाव लड़ने की जरूरत है। कांग्रेस के द्वारा प्रत्याशी का नाम अब तक तय नहीं कर पाना पार्टी के अंदर सिर फुट्टव्वल की स्थिति को बता रहा है। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट के रायपुर लैंडिंग के बाद भी यह एक हास्यास्पद स्थिति है कि आखिरकार कांग्रेसी विदाउट टिकट कैसे है । आज कांग्रेस पार्टी में शोले फ़िल्म की तरह स्थिति बनी हुई है हर कांग्रेसियों के मन में एक ही सवाल है कि कौन होगा प्रत्याशी है? इससे स्पष्ट हो रहा है कि कांग्रेस राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अपने ही कार्यकर्ताओं में भरोसा नहीं कर पा रहे है। कांग्रेस के किसी भी नेता का कोई जनाधर नहीं रह गया है। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में लोकसभा चुनाव की तैयारियां बड़े जोश के साथ चल रही है और कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है इस समय प्रदेश में डबल इंजन की भाजपा सरकार जिस तरह मोदी जी की गारंटी को पुरा कर रही है, उसका लाभ लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिलेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ता खुद ही बता रहे है भूपेश है तो भरोसा है का नारा छलावा था : साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि पिछले पाँच सालों में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने जिस तरह सरकार चलाई, जो छत्तीसगढ़ की दुर्दशा की, छत्तीसगढ़ में अराजकता फैलाई और छत्तीसगढ़ को दोनों हाथों से लूटने का काम किया, उसका ही ही परिणाम अब निकल रहा है कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सार्वजनिक रूप से माइक पर उनके खिलाफ बोल रहे हैं, पत्र लिख रहे हैं कि उनका टिकट रद्द किया जाए। साव गुरुवार को पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि जिस राजनीतिक अपसंस्कृति की फसल बघेल ने बोयी थी, अब वही फसल वे काट रहे हैं। कांग्रेस के मौजूदा हालात

यह बताते हैं कि किस तरह से कांग्रेस में झगड़ा चल रहा है! कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है, यह अब साफ दिख रहा है। प्रदेश की जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ की पूरी 11 सीटें लोकसभा सीटों पर भाजपा की जीत तय है।

राहुल गांधी के बयान पर बोले साव- जैसी करनी वैसी भरनी, असुरी, शक्ति, कौन है,शक्ति का उपहास किसने उड़ाया सब जानते है। साव ने कहा कि देश के अंदर आम आदमी को पता है कि असुरी सोच के कौन हैं, शक्ति का उपहास कौन उड़ा रहा है और ये आम लोगों को भी पता है; इसलिए राहुल गांधी की बातों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है। देश की जनता जानती है कि भारतीय जनता पार्टी शुचिता की राजनीति करती है, राष्टहित की राजनीति करती है। एकाउंट सीज करने संबंधी सवाल के जवाब में श्री साव ने कहा कि यह राजनीतिक आरोप है। जैसी करनी वैसी भरनी का परिणाम है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.